CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMFP User: cci Time: 04-12-2026 22:52 Color:

महानगर > मुंबई > सोमवार, 13 अप्रैल 2026 > चैत्र 23 शक संवत 1948 वैशाख कृष्ण एकादशी, विक्रम संवत 2083 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 86 > मूल्य ₹5.00 > पेज 10 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 1613/57 www.nbt.in

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में नाम दर्ज, सबसे ज्यादा गाने का रेकॉर्ड। पद्म विभूषण, ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

रूस पश्चिमी एशिया में जारी तनाव को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए हर संभव मदद देने को तैयार है।

-व्लादिमिर पूतिन, रूस के राष्ट्रपति

अभी न जाओ छोड़कर...

सुरों की आशा

8 सितंबर 1933 - 12 अप्रैल 2026

■ NBT रिपोर्ट

सुरों की वो आशा अब इस दुनिया में नहीं रही, जिसने कभी गुनगुनाया था- अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं और सचमुच, आज भी दिल भरा नहीं है।

92 साल की उम्र में आशा भोसले ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में दिल और सांस की तकलीफ से जूझते हुए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। आज शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा।मशहूर रंगकर्मी और शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की बेटी, लता मंगेशकर की छोटी बहन, लेकिन सिर्फ इतना कहना उनके कद को छोटा करना होगा। नौ साल की उम्र में पिता के गुजर जाने के बाद, 10 साल की उम्र में सुरों को सहारा बनाया और फिर वही सुर उनकी पहचान बन गए।

1943 में मराठी गीत 'चला चला नवबाला' से शुरू हुआ सफर हिंदी सिनेमा के अनगिनत रंगों में ढलता गया। गजल, भजन, रोमांस या कैबरे हर अंदाज में उन्होंने अपनी अलग दुनिया रची।1961 में रिलीज फिल्म 'हम दोनों' का वो गीत 'अभी न जाओ छोड़कर' आज भी जैसे हवा में ठहरा हुआ है, जुदाई से पहले की मीठी कसक बनकर।

92 साल की उम्र में आशा भोसले का निधन

आशा भोसले पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा गूंजते रहेंगे। उनके साथ हुई बातचीत की यादें मैं संजोकर रखूंगा। -नरेंद्र मोदी, पीएम

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए, जिनमें 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' जैसे सुपरहिट सॉन्ग शामिल हैं। ▸▸पेज 2, 8

इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बनी बात

21 घंटे की बातचीत और नतीजा शून्य

■ एपी/पीटीआई, इस्लामाबाद/वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में चली 21 घंटे की शांति वार्ता बेनतीजा रही। बैठक के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स ने कहा, करीब 21 घंटे चर्चा हुई, कोई डील नहीं हुई। तेहरान का वॉशिंगटन की शर्तें मानने से इनकार करना अमेरिका से कहीं ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। वहीं ईरान के डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने कहा, पिछले दो युद्धों के कारण अमेरिका इस बातचीत में ईरानी प्रतिनिधिमंडल 'मिनाब 168' का भरोसा जीतने में आखिरकार नाकाम रहा। बैठक के बेनतीजा रहने पर खाड़ी में हालात बिगड़ने की आशंका बढ़ी है।

ट्रंप ने कहा, एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता हूं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी कि- अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी। खासतौर पर उन जहाजों पर नजर रहेगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। हम उन 'माइन्स' (बारूदी सुरंगों) को नष्ट करना शुरू कर देंगे, जिन्हें ईरानियों ने बिछाया है। ईरानी गार्ड्स (IRGC) ने चेताया, अगर दुश्मन ने गलत कदम उठाया, तो वह होर्मुज के जानलेवा भंवर में फंस जाएगा। ▸▸पेज 5

अमेरिका ने एक बहुत ही आसान प्रस्ताव दिया है और यही अंतिम और बेस्ट ऑफर है। हम देखेंगे कि ईरानी इसे स्वीकार करते है या नही।

-जेडी वान्स, अमेरिका

घर को लौटे

वार्ता के बाद US उपराष्ट्रपति जेडी वान्स डेलिगेशन के साथ लौटे, ईरानी भी वापस गए।

वार्ता में अमेरिका नाकाम रहा: ईरान

ईरान के डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने दावा किया कि इस वार्ता में अमेरिका नाकाम रहा। ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद है, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें भरोसा नहीं है।

ईरान बोला- किसी को समझौते की उम्मीद नही थी

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि किसी को उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका के साथ एक ही बैठक में समझौता होगा। सरकारी मीडिया के मुताबिक, प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, शुरू से ही यह मानकर चलना चाहिए था कि एक बैठक में समझौता नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को भरोसा है कि पाकिस्तान और क्षेत्र के दूसरे सहयोगी देशों के साथ उसका संपर्क और बातचीत आगे भी जारी रहेगी। ईरान का कहना है कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त हैं। इसलिए समझौता नहीं हो पाया।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची

ख़बरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें पेज 3, 9

मौसम

अधिकतम तापमान 34.2°

27.4° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 6:56 सोमवार | सूर्यास्त 6:22 मंगलवार

NBT नवभारत टाइम्स: सड़क व रेल परिवहन सेवा शुल्क 1.00 रुपया मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिले के बाहर।

पश्चिम रेलवे पर सुबह 5 घंटे प्रभावित रहीं लोकल की सेवाएं

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** रविवार सुबह भाईंदर और नायगांव स्टेशनों के बीच ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) में खराबी आने से उपनगरीय ट्रेन सेवाएं करीब 5 घंटे तक प्रभावित रहीं। नतीजतन, 15 से 20 ट्रेनों को कैंसल करना पड़ा और करीब 50 ट्रेनें देर से चलीं। मजबूरन, यात्री ट्रैक के किनारे चलने लगे और बस या ऑटो से अपने गंतव्य तक पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, यह तकनीकी खराबी सुबह करीब 7:52 बजे डाउन थ्रू लाइन पर हुई। इस दौरान DRM, ADRM समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद भाईंदर-नायगांव डाउन फास्ट लाइन दोपहर 12:47 बजे बहाल कर दी गई। ▸▸पेज 3

भाईंदर और नायगांव के बीच OHE में आई खराबी, यात्री ट्रैक पर पैदल चले

होर्मुज पर उलझी अमेरिका-ईरान की बातचीत

बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना, ईरान के खिलाफ पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। जिनमें से होर्मुज और न्यूक्लियर इनरिचमेंट का मुद्दा सबसे बड़ी रुकावट बनकर सामने आया। अल जजीरा के मुताबिक अमेरिका-ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट सबसे बड़ा अड़ंगा बना रहा। इस मुद्दे पर अमेरिका का असली रुख क्या है, यह अभी भी साफ नहीं है। यही चीज बातचीत को और मुश्किल बना रही है। ट्रंप कभी इसे खोलने की बात कह रहे हैं, तो कभी कह रहे हैं कि कोई दिलचस्पी नहीं। वहीं ईरान इसपर अपना कंट्रोल रखना चाहता है।

इस्राइल में युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन।

वॉर अपडेट्स

- चीन को ट्रंप की धमकी- ईरान की मदद की तो 50% टैरिफ लगेगा।
- लेबनान में इस्राइल के हमले जारी, 13 लोगों की मौत, हिजबुल्लाह ने इस्राइल पर दो हमले किए।
- UAE बोला- ईरान अकेले होर्मुज को कंट्रोल नहीं कर सकता।

AI Images

NBT आज का इतिहास

जलियांवाले बाग में हजारों हुए थे शहीद

आज ही के दिन 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग में रौलेट एक्ट के विरोध में एक शांतिपूर्ण सभा हो रही थी। जनरल डायर ने बिना चेतावनी निहत्थी भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां चलवा दीं, जिसमें हजारों लोग शहीद हुए। इसके बाद रवींद्रनाथ टैगोर ने 'नाइटहुड' की उपाधि त्याग दी। इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को निर्णायक मोड़ दिया। यह बलिदान भारतीय इतिहास का सबसे दुखद हिस्सा है।

NBT

Front Page-2

NBT वायरल न्यूज

घिरे युगांडा के आर्मी चीफ

मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर और 'सबसे सुंदर महिला' की मांग की थी। कहा, सोमालिया डील से तुर्किये को फायदा जबकि आतंक से युगांडा लड़ रहा।

अंतर्ज्ञान

हम खुद को किसी न किसी पहचान से बांध लेते हैं - पद, भूमिका, उपलब्धि, विचारधारा। धीरे-धीरे यही पहचान हमारी सुरक्षा बन जाती है और हमारा बोझ भी। जब पहचान को चोट लगती है, तो दर्द होता है। आलोचना हमें असहज करती है, बदलाव हमें डरा देता है। हमें लगता है कि पहचान बदली, तो शायद हम ही न बचें। लेकिन पहचान स्थिर नहीं होती, वह समय और अनुभव के साथ बदलती है। स्वयं को पहचान से बड़ा मानना परिपक्वता है। आप जो करते हैं, वह आप नहीं हैं। आप जो सोचते हैं, वह भी आप नहीं हैं। जिस दिन व्यक्ति जान लेता है कि उसकी असली सत्ता पहचान से परे है, उसी दिन भीतर गहरी शांति उतर आती है।

SPEED News

नाइजीरियन मिलिट्री जेट्स की स्ट्राइक से

200 लोगों की मौत हो गई। हमला एक मार्केट में हुआ। बोको हरम मिलिटेंट्स पर कार्रवाई बताई गई है।

US में पहली बार स्वामी विवेकानंद

की लाइफ-साइज प्रतिमा का अनावरण सिएटल में किया गया। वेस्टलेक स्क्वेयर में प्रतिमा लगाई है।

हैती में भगदड़ से 30 लोगों की मौत हो

गई। यह घटना देश के उत्तरी इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक किले, लाफेरिएर सिटाडेल में हुई।

UAE के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर

आईएएनएस, अबु धाबी: विदेश मंत्री डी.एस. जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पहुंचे हैं। उन्होंने रविवार को अबु धाबी में UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। संघर्ष के दौरान खाड़ी में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया। मीटिंग के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

पहले चरण में 3.6 करोड़ वोटर: EC

पीटीआई, कोलकाता: चुनाव आयोग के मुताबिक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 23 अप्रैल को 16 जिलों में 3.6 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। पहले चरण में 1.84 करोड़ पुरुष, 1.75 करोड़ महिलाएं और 465 थर्ड जेंडर वोटर शामिल हैं। जिलों में मुर्शिदाबाद में सबसे अधिक 50.26 लाख मतदाता हैं। इसके बाद पूर्व मेदिनीपुर में 41.60 लाख और पश्चिम मेदिनीपुर में 37.70 लाख वोटर हैं।

लश्कर का इंटरस्टेट आतंकी नेटवर्क ध्वस्त, कई हिरासत में

पीटीआई, श्रीनगर/नई दिल्ली

PTI

- केंद्रीय एजेंसियों के साथ श्रीनगर पुलिस का ऐक्शन, हरियाणा, राजस्थान से कई पकड़े
- 5 आतंकी लश्कर-ए-तैबा से जुड़े बताए गए
- 2 पाकिस्तानी हैं इनमें से
- 16 साल से फरार था पाक आतंकी अब्दुल्ला
- 40 विदेशी आतंकियों को हैंडल किया घाटी में सक्रिय रह कर

जम्मू-कश्मीर ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैबा (LeT) के इंटरस्टेट नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने हरियाणा और राजस्थान से कई लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, ये लोग आतंकियों को फर्जी पहचान दिलाने में मदद करते थे। वे आधार, पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेज बनवाकर आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दे रहे थे।

जांच श्रीनगर पुलिस ने शुरू की थी, लेकिन नेटवर्क के बड़े दायरे को देखते हुए इसमें केंद्रीय एजेंसियों और अन्य राज्यों की पुलिस को भी शामिल किया गया।

जांच में सामने आया कि उमर उर्फ 'खरगोश', जो पाकिस्तान के कराची का रहने वाला है, 2012 के बाद भारत में घुसा था। उसने 2024 में जयपुर से बनवाए गए फर्जी पासपोर्ट के जरिए देश छोड़ दिया और इंडोनेशिया होते हुए किसी खाड़ी देश में पहुंच गया। वहां से गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब श्रीनगर पुलिस ने एक गहरी जड़ें जमा चुके नेटवर्क का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है, जो 16 साल से फरार था।

तीन कश्मीरी अरेस्ट

अधिकारियों ने बताया कि आतंकी फर्जी दस्तावेजों के जरिए कई राज्यों में अपना नेटवर्क बना रहे थे। हिरासत में लिए गए कुछ लोगों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार भी किया जा सकता है, खासकर वे जो फर्जी पासपोर्ट और दस्तावेज बनवाने में शामिल थे। इस मामले में श्रीनगर के मोहम्मद नजीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी गिरफ्तार किया गया है। इन पर आतंकियों को पनाह, भोजन और अन्य मदद देने का आरोप है।

ऐसे शुरू हुई जांच

जांच 31 मार्च को शुरू हुई थी, जब नजीब भट को पदाव इलाके से पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामान के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने खुद को लश्कर से जुड़ा बताया और बताया कि उसने हथियार आदिल राशिद से लिए थे। इसके बाद पुलिस मीर और राशिद भट तक पहुंची और कई ठिकानों का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने कई ठिकानों से तीन AK-47 राइफल, एक AK-क्रिंकोव, पिस्तौल, हैंड ग्रेनेड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

दोनों पाक आतंकी A+' श्रेणी के थे: श्रीनगर पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा और उस्मान उर्फ खुबैब को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नवंबर 2025 के लाल किला ब्लास्ट से जुड़े 'अल-फलाह मॉड्यूल' के भंडाफोड़ के करीब छह महीने बाद हुई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पाकिस्तानी आतंकी 'A+' श्रेणी के थे और करीब 16 साल पहले भारत में घुसे थे। इस दौरान उन्होंने कश्मीर घाटी के कई जिलों में सक्रिय रहकर करीब 40 विदेशी आतंकियों को निर्देशित किया, जिनमें से अधिकांश मारे जा चुके हैं।

पूछताछ में अब्दुल्ला ने अपने और उमर के भारत में नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। यह नेटवर्क खासतौर पर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में फैला था। इस दौरान आतंकियों ने कश्मीर में एक आतंकी समर्थक की बेटी से शादी भी की थी। 31 मार्च से शुरू इस ऑपरेशन की निगरानी डीजीपी नलिन प्रभात ने की। जांच में LeT के वित्तीय नेटवर्क का खुलासा हुआ।

15 से अमरनाथ यात्रा के लिए शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

पीटीआई, जम्मू

अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई से शुरू हो रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होगा। यह यात्रा 57 दिन तक चलेगी और 28 अगस्त को खत्म होगी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रहेगा। 13 से 70 वर्ष के श्रद्धालु ही यात्रा कर सकेंगे।

रजिस्ट्रेशन देशभर की 556 बैंक शाखाओं और ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नैशनल बैंक, ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और यस बैंक शामिल हैं। यात्रा दो मार्गों- पहलगाम और बालटाल से होगी, जबकि पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगी।

यात्रा के लिए, रजिस्ट्रेशन आधार-आधारित बायोमेट्रिक 'ई-केवाईसी' सत्यापन के जरिए किया जाएगा। परमिट श्राइन बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जारी किए जाएंगे।

- **3 जुलाई** से 28 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा
- **13 से 70** वर्ष के श्रद्धालु ही यात्रा कर सकेंगे।
- **19 जून** को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगी पहली पूजा

556 बैंक शाखाओं में कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रहेगा।

रजिस्ट्रेशन के बाद श्राइन बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन परमिट जारी किए जाएंगे। हर परमिट के लिए ₹150 लगेंगे।

FILE

हेल्थ सर्टिफिकेट भी ज़रूरी

तीर्थयात्रियों को 8 अप्रैल 2026 या उसके बाद किसी अधिकृत डॉक्टर से जारी एक वैध अनिवार्य हेल्थ सर्टिफिकेट जमा करना होगा, जिसके साथ उन्हें प्रति परमिट 150 रुपये की निर्धारित फीस भी देना होगा।

चारधाम यात्रा: ठगों पर शिकंजा जारी

NBT रिपोर्ट, देहरादून: चारधाम यात्रा में साइबर ठगों से निपटने के लिए STF सक्रिय हो गई है। हेलिकॉप्टर बुकिंग के नाम पर ठगने वाली 10 वेबसाइटें बंद कराई हैं। 180 फर्जी लिंक भी ब्लॉक किए हैं। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया चारधाम यात्रा के लिए बुकिंग केवल https://heliyatra.irctc.co.in के माध्यम से ही करें। ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें। इस बीच धामों में यात्रियों की संख्या को सीमित न करने के फैसले पर तीर्थ पुरोहितों, पुजारियों, हितधारकों, चार धाम होटल एसोसिएशन, ट्रैवल एजेंसियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया।

पूर्व सैनिक ने हासिल की 138 डिग्री-डिप्लोमा

पीटीआई, जयपुर

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पूर्व सैनिक दशरथ सिंह ने 138 डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट हासिल कर अनोखी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने IGNOU से वैदिक स्टडीज में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। 55 वर्षीय दशरथ सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में 11 वर्ल्ड रिकॉर्ड होने का दावा किया है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

55 साल के हैं राजस्थान के झुंझुनूं जिले के दशरथ सिंह

उन्होंने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। 1988 में सेना में भर्ती होने के बाद भी वह छुट्टियों में पढ़ाई करते रहे। 2004 में रिटायरमेंट के बाद उन्होंने पढ़ाई को पूरी तरह अपनाया। अब तक वे 3 पीएचडी, 7 ग्रेजुएशन, 46 पोस्टग्रेजुएशन, 23 डिप्लोमा और 52 सर्टिफिकेट हासिल कर चुके हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कानून की पढ़ाई की और अब सैनिकों से जुड़े मामलों में कानूनी सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं।

FILE

हाल ही में IGNOU से वैदिक स्टडीज में मास्टर्स डिग्री ली।

80 गुना कम डोज़ में भी असरदार, दांत से दवा देने का ट्रायल सफल

Hemwati.Rajaurat
@timesofindia.com

नई दिल्ली: दवा लेने का पारंपरिक तरीका जैसे गोली लेना, आने वाले समय में बदल सकता है। दांत के जरिए दवा को सीधे शरीर में पहुंचाने वाली एक नई तकनीक का पहला रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ह्यूमन ट्रायल सफल रहा है। ट्रायल में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 80 गुना कम डोज देने के बावजूद दवा का असर लगभग उतना ही पाया गया जितना सामान्य ज्यादा डोज लेने पर होता है।

यह पायलट ट्रायल पुडुचेरी के एक मेडिकल संस्थान में रूट कैनाल (दांत के इलाज) के लिए आए 20 मरीजों पर किया गया। मरीजों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को 400 एमजी एंटीबायोटिक दवा (मेट्रोनिडाजोल) सामान्य तरीके से गोली के रूप में दी गई, जबकि दूसरे समूह को सिर्फ 5 एमजी दवा दांत के अंदर एक खास मैक्सिलोफेशियल ड्रग डिलीवरी प्लैटफॉर्म के जरिए दी गई।

इस तकनीक में दवा को दांत के पल्प (अंदरूनी हिस्से) में डाला जाता है, जहां से सीधे खून में पहुंच जाती है। जांच में पाया गया कि दांत के जरिए दी गई दवा तेजी से शरीर में पहुंची और कम मात्रा के बावजूद उसका असर मजबूत रहा।

AI Image

साइड इफेक्ट नहीं

स्टडी में यह भी सामने आया कि जिन मरीजों को दांत के जरिए दवा दी गई, उनमें 100% मामलों में दवा खून में पाई गई, जबकि गोली लेने वाले मरीजों में यह अनुपात कम रहा। एक महीने तक मरीजों की निगरानी की गई लेकिन किसी भी मरीज में साइड इफेक्ट नहीं मिले।

'जांच की जरूरत'

विशेषज्ञों ने कहा, अभी शुरुआती (पायलट) स्तर का छोटा ट्रायल है। इसे बड़े स्तर पर और अलग-अलग तरह की दवाओं के साथ परखने की जरूरत है। फिलहाल यह तकनीक दांत के इलाज के दौरान ही टेस्ट की गई है।

नासिक यौन उत्पीड़न केस में TCS कर्मी सस्पेंड

आईएएनएस, नई दिल्ली

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने रविवार को कहा कि उसने नासिक मामले के संबंध में जांच के दायरे में आए कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है। कंपनी नासिक स्थित अपनी इकाई में यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन की कथित घटनाओं को लेकर कई एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। इस मामले में कुल 9 FIR दर्ज की गई हैं।

शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप

मार्च में शुरू हुआ था विवाद: विवाद मार्च में शुरू हुआ जब एक महिला ने अपने सहकर्मी पर शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया। जांच के दौरान पुलिस को अतिरिक्त शिकायतें मिलीं, जिसके चलते इसी तरह के आरोपों से संबंधित 8 और एफआईआर दर्ज की गईं।

6 कर्मचारी अरेस्ट हो चुके हैं: अब तक कम से कम 6 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये गिरफ्तारियां नासिक पुलिस आयुक्त कार्यालय को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर की गईं।

इस बीच, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) भी बनाई गई है।

AI Image

मुंबई सहित 8 एयरपोर्ट पर बॉडी स्कैनर लगेंगे

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

नई दिल्ली: आठ एयरपोर्ट पर फुल बॉडी स्कैनर (FBS) लगाने का रास्ता साफ हो गया है। इन एयरपोर्ट में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नै, कोलकाता, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद शामिल हैं। इसके लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने अपनी मंजूरी दी है। अब एयरपोर्ट ऑपरेटर इस सर्विस को ट्रायल पूरा होने के बाद फुल स्केल पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एयरपोर्ट पर अलग से 'FBS कॉरिडोर' बनाए जाएंगे। वहां जरूरत के मुताबिक यात्रियों को इन बॉडी स्कैनर की जांच प्रक्रिया से गुजारा जाएगा।

AI Image

कई बार हुए ट्रायल

अधिकारियों का कहना है कि कई एयरपोर्ट पर इसके ट्रायल किए गए। अभी आधिकारिक रूप से शुरू नहीं हुआ है क्योंकि, बीसीएएस की मंजूरी ना मिलने के अलावा इन बॉडी स्कैनर में रेडिएशन का भी खतरा था।

बनेंगे FBS कॉरिडोर

सूत्रों का कहना है कि बॉडी स्कैनरों को एयरपोर्ट पर यात्रियों की हर लाइनों में नहीं लगाया जाएगा। इसके लिए हर एयरपोर्ट पर अलग से एफबीएस कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ताकि जरूरत के मुताबिक संदिग्ध यात्रियों को इससे गुजारा जा सके।

राहुल ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस का लक्ष्य डॉ. भीम राव आंबेडकर की सोच और देश के संविधान को कमजोर करना है। संविधान ही देश की आधारशिला है और इसके बिना भारत का मौजूदा स्वरूप संभव नहीं होता।

पिथौरागढ़ के पूर्व SP पर FIR होगी

NBT रिपोर्ट, पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ के पूर्व एसपी लोकेश्वर सिंह के खिलाफ मारपीट के आरोपों पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय सिंह की अदालत ने केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। पीड़ित व्यापारी लक्ष्मी दत्त जोशी का आरोप है कि वर्ष 2023 में पुलिस क्वार्टर के सीवरेज की समस्या पर कार्रवाई न होने की शिकायत करने एसपी कार्यालय गए तो उनके साथ मारपीट हुई।

मालदा केस में सात को हिरासत में लिया

पीटीआई, कोलकाता: मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में एनआईए ने रविवार को कांग्रेस के एक उम्मीदवार समेत सात लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा, ISF के एक पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। घेराव SIR प्रक्रिया के दौरान लिस्ट से नाम हटाए जाने के विरोध में किया गया था।

सुरक्षा बलों ने मणिपुर में 21 अवैध बंकर नष्ट किए

आईएएनएस, इंफाल: मणिपुर के उखरूल जिले में एक बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए अपना संयुक्त तलाशी अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने जिले में अवैध रूप से बनाए गए 21 बंकरों को भी नष्ट कर दिया। बीएसएफ कॉन्स्टेबल मिथुन मंडल का पार्थिव शरीर शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित उनके पैतृक घर भेज दिया गया।

25 साल के सफर पर मंथन

NBT उत्तराखंड उत्सव में सीएम धामी शामिल होंगे

NBT रिपोर्ट, देहरादून

उत्तराखंड राज्य के गठन के 25 साल पूरे होने के मौके पर 13 अप्रैल को देहरादून में नवभारत टाइम्स 'NBT उत्तराखंड उत्सव' आयोजित करने जा रहा है। इस खास आयोजन में राज्य के 25 सालों के सफर, उपलब्धियों, चुनौतियों और आगे की दिशा पर व्यापक चर्चा होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। वे राज्य के विकास मॉडल और भविष्य की प्राथमिकताओं पर अपना विजन साझा करेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा करेंगे। वे उत्तराखंड में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपनी बात रखेंगे। खासतौर पर हिमालयी क्षेत्र की चुनौतियों और कनेक्टिविटी पर बात होगी। राजनीति, नीति-निर्माण, प्रशासन, सिनेमा और रचनात्मक जगत के कई प्रमुख चेहरे एक मंच पर नजर आएंगे। उत्तराखंड सरकार में मंत्री सुबोध उनियाल और प्रदीप बत्रा राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों, चुनौतियों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और प्रसिद्ध गीतकार-लेखक प्रसून जोशी भी शामिल रहेंगे। वे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, सिनेमा में उसकी संभावनाओं, क्रिएटिव इंडस्ट्री और उत्तराखंडियों की वैश्विक पहचान पर चर्चा करेंगे। 'NBT उत्तराखंड उत्सव' को अलग-अलग सत्रों में बांटा गया है। पहले में पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा होगी।

- फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर, गीतकार-लेखक प्रसून जोशी भी रहेंगे मौजूद
- केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा भी बनेंगे उत्सव का हिस्सा

दूसरे सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उत्तराखंड के विकास मॉडल, योजनाओं पर अपने विचार रखेंगे। एक अन्य सत्र में कवि और लेखक सोशल मीडिया और एआई के दौर में कविता और मौलिकता पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बात पर भी चर्चा होगी कि सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचाया जा रहा है और आने वाले समय में क्या नई पहल की जा रही है। राज्य में पर्यटन के धार्मिक-सांस्कृतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए 'आस्था और विकास के संतुलन' पर भी विशेष सत्र आयोजित होंगे। सिनेमा और रचनात्मक क्षेत्र पर भी फोकस रहेगा। मधुर भंडारकर के साथ सिनेमा के बदलते दौर और उसकी चुनौतियों पर चर्चा होगी, जबकि प्रसून जोशी के साथ 'ग्लोबल पहाड़ी' की अवधारणा और उत्तराखंड की रचनात्मक पहचान पर बात होगी। नवभारत टाइम्स इस मौके पर 'NBT उत्तराखंड रत्न अवॉर्ड' की भी शुरुआत कर रहा है। इसका पहला सम्मान प्रसिद्ध गीतकार और लेखक प्रसून जोशी को दिया जाएगा।

किम जोंग की बेटी होगी अगली सुप्रीम लीडर?

रिपोर्ट्स के अनुसार, किम जू-ऐ को अभी से सुप्रीम लीडर के तौर पर तैयार किया जा रहा है

NBT रिपोर्ट

उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन (Kim Jong Un) की बेटी का नाम और उम्र जैसी बेसिक जानकारी भी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई। हालांकि, माना जा रहा है कि वह भविष्य में अगली लीडर बन सकती है।

टाइम मैगजीन के अनुसार, दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी NIS ने हाल में ही संकेत दिया कि किम की बेटी को उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह जानकारी उन सांसदों ने दी, जिन्होंने एजेंसी के साथ एक बंद कमरे की बैठक में हिस्सा लिया था।

FILE

कई बार पिता के साथ दिखी

उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी KCNA ने पिछले महीने ऐसी तस्वीरें जारी कीं, जिनमें किम जू-ऐ अपने पिता के साथ एक सेना के टैंक को चलाते हुए दिख रही हैं। इससे पहले मार्च में सरकारी मीडिया ने दोनों की पिस्तौल चलाते हुए तस्वीरें भी जारी की थीं।

अटकलें क्यों हैं तेज?

किम जू-ऐ (Kim Ju Ae) नाम की किम जोंग उन की बेटी की उम्र करीब 13 साल बताई जाती है। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने उन्हें किम की 'सबसे प्रिय' बेटी बताया है। 2022 से पिता के साथ उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ने अटकलें तेज कर दी हैं कि उन्हें उत्तराधिकारी के तौर पर तैयार किया जा रहा है।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMCLAS User: cci Time: 04-12-2026 23:12 Color:

मध्य रेलवे के 10 स्टेशनों पर EMR की फैसिलिटी के लिए टेंडर अवॉर्ड किए गए थे, लेकिन अब तक 6 स्टेशनों पर यह सुविधा शुरू नहीं की जा सकी है। -p3

मिनटी महानगर पालिका की ओर से मॉनसून से पहले ही शहर के हर प्रभाग में सड़कों के पेवर्स का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। -p4

95 रहा मुंबई का AQI रविवार को, जो संतोषजनक है।

34.2 अधिकतम तापमान दर्ज किया गया रविवार को। दिन में ज्यादा उमस महसूस की गई।

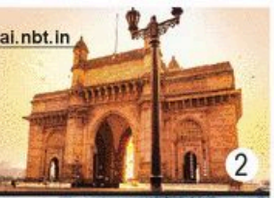

www.mumbai.nbt.in

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई । बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

14 अप्रैल

कुणाल गांजावाला

14 अप्रैल 1972 को जन्मे प्लेबैक सिंगर कुणाल गांजावाला 'मर्डर' के गाने 'भीगे होंठ तेरे' से शोहरत मिली, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। @kunalganjawala

18 अप्रैल

केएल राहुल

18 अप्रैल 1992 को जन्मे लोकेश राहुल भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले वे चुनिंदा खिलाड़ियों में शुमार हैं। @klrahul X @klrahul

15 अप्रैल

मंदिरा बेदी

15 अप्रैल 1972 को जन्मी मंदिरा बेदी एक्ट्रेस, मॉडल और फैशन डिजाइनर हैं। उन्होंने टीवी शो 'शांति' से पहचान बनाई और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्म में काम किया। क्रिकेट वर्ल्ड कप की होस्टिंग कर उन्होंने स्पोर्ट्स एकरिंग में भी नया मुकाम हासिल किया। @mandirabedi X @mandybedi

पूनम ढिल्लों

18 अप्रैल 1962 को जन्मी पूनम ढिल्लों ने 1977 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीता था। उन्होंने 'नूरी', 'त्रिशूल' और 'सोनी महिवाल' जैसी क्लासिक फिल्मों में काम किया। एक्टिंग के साथ वे राजनीति में भी सक्रिय रही हैं। @poonam_dhillon_

19 अप्रैल

अरशद वारसी

19 अप्रैल 1968 को जन्मे अरशद वारसी अपनी जबरदस्त कॉमेडी और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'मुन्ना भाई MBBS' के 'सर्किट' वाले रोल ने बड़ी पहचान दी। @arshad_warsi X @ArshadWarsi

16 अप्रैल

लारा दत्ता

16 अप्रैल 1978 को जन्मी लारा दत्ता ने 2000 में 'मिस यूनिवर्स' का खिताब जीता। उन्होंने 'अंदाज', 'नो एंट्री' और 'बेल बॉटम' जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। @larabhupathi X @LaraDutta

मुकेश अंबानी

19 अप्रैल 1957 को जन्मे मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे प्रभावशाली बिजनेसमैन में से एक और 'रिलायंस इंडस्ट्रीज' के चेयरमैन हैं और सबसे अमीर व्यक्तियों में एक हैं।

17 अप्रैल

सिद्धार्थ

17 अप्रैल 1979 को जन्मे सिद्धार्थ साउथ और बॉलिवुड के मशहूर एक्टर हैं। वह एक्टिंग के साथ-साथ शानदार सिंगर और स्क्रीनराइटर भी हैं। फिल्म रंग दे बसंती और चिट्ठा में उनके काम की काफी तारीफ हुई। @worldofsiddharth

अंजू बॉबी जॉर्ज

19 अप्रैल 1977 को जन्मी अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 में पेरिस वर्ल्ड चैंपियनशिप में लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था। उन्हें 'खेल रत्न', 'पद्म श्री' और 'अर्जुन अवॉर्ड' भी मिल चुके हैं। @anjubgeorge X @anjubobbygeorg1

ख़ामोश हुई संगीत जगत की एक अमर आवाज़

राज्यपाल ने कहा- 'जो भी है बस यही एक पल है' उनके जीवन का दर्शन था

गायिका आशा भोसले को राज्यपाल, CM, DCM समेत अन्य दिग्गजों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

■ NBT रिपोर्ट , मुंबई : पार्श्व गायिका आशा भोसले का रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने पद्म विभूषण और महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा, आशा भोसले न केवल देश की, बल्कि विश्व संगीत जगत की एक सिद्धहस्त और अत्यंत प्रभावशाली पार्श्वगायिका थीं। राज्यपाल ने कहा, उन्होंने अपनी मधुर और अविस्मरणीय आवाज, विभिन्न संगीत शैलियों को सहजता से गाने की क्षमता और संगीत क्षेत्र में व्यापक योगदान के कारण संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया। लगभग 8 दशकों के अपने शानदार संगीत के सफर में उन्होंने अनेक भाषाओं और संगीत विधाओं में असंख्य अमर गीत प्रस्तुत कर भारत की सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध किया। राज्यपाल ने कहा, 'जो भी है बस यही एक पल है' यह उनका लोकप्रिय गीत उनके जीवन दर्शन को दर्शाता था।

संगीत प्रेमियों के लिए दुख का क्षण: फडणवीस

CM देवेंद्र फडणवीस ने आशा ताई को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, आशा ताई के निधन की खबर से वे स्तब्ध हैं। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के संगीत प्रेमियों के लिए अत्यंत दुःखद क्षण है। उन्होंने कहा, उनका निधन देश और संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, आशा भोसले एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी कलाकार थीं। उन्होंने शास्त्रीय संगीत से लेकर पॉप, गजल और लोक जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। 12 हजार से अधिक गीतों को 20 से ज्यादा भाषाओं में अपनी मधुर आवाज देने वाली आशा ताई ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

देश ने अद्वितीय स्वरसम्राज्ञी को खो दिया: शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आशा भोसले के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय संगीत जगत की ध्रुवतारा और अपनी मधुर स्वर लहरियों से पूरे विश्व को मंत्रमुग्ध करने वाली महान गायिका आशा भोसले के निधन से देश ने एक अद्वितीय स्वरसम्राज्ञी को खो दिया है। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन के बाद अब आशा ताई के चले जाने से महाराष्ट्र को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, आज हर संगीत प्रेमी के मन से एक ही भाव निकल रहा है कि "अभी ना जाओ छोड़कर, कि दिल अभी भरा नहीं।" आशा ताई ने अपने गीतों से हमें इतना समृद्ध किया कि उनके जाने की कल्पना भी असहनीय लगती है।

'संगीत जगत के एक स्वर्णिम युग का अंत'

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने आशा ताई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा, उनके निधन से संगीत जगत के एक स्वर्णिम युग का अंत हो गया है। सुनेत्रा पवार ने कहा, आशा भोसले की आवाज में अद्भुत मधुरता, विविधता और भावनाओं की अनुपम अभिव्यक्ति थी। हिंदी, मराठी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में हजारों गीतों के जरिए उन्होंने श्रोताओं के दिलों पर राज किया। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम", "इन आंखों की मस्ती" और "चुरा लिया है तुमने" जैसे अनेक गीत आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनकी गायकी में आधुनिकता और परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, आशा ताई का संगीत सफर कठिन परिश्रम, निरंतरता और कला के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है।

आशा भोसले

जन्म : 08 सितंबर 1933 (सांगली)

मृत्यु : 12 अप्रैल 2026 (मुंबई)

दिलों में जिंदा रहेंगी आशा ताई : पवार

एनसीपी (SP) प्रमुख शरद पवार ने कहा, आशाताई के निधन के साथ ही भारतीय संगीत जगत की एक अमर आवाज खामोश हो गई और संगीत के एक स्वर्णिम युग का अंत हो गया है। पवार ने कहा, उनकी आवाज में मौजूद नशा, चपलता और भावनात्मक गहराई ही उनकी सच्ची पहचान बन गई थी। हिंदी, मराठी, बंगाली और गुजराती समेत कई अन्य भाषाओं में हजारों गीत गाकर 6 दशकों से भी अधिक समय तक भारतीय संगीत जगत में उनका योगदान अमूल्य रहा है। हर भारतीय संगीत प्रेमी के दिल में उन्होंने जो अमिट जगह बनाई है, वह हमेशा बनी रहेगी।

देवनार की सफ़ाई को मंजूरी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : पूर्वी मुंबई के देवनार डंपिंग ग्राउंड के पास रहने वाले हजारों लोगों को अब बड़ी राहत मिलेगी। कोस्टल रेगुलेटरी जोन (CRZ) ने देवनार डंपिंग ग्राउंड पर कचरा निस्तारण कार्य को मंजूरी दे दी है। धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट (DRP) के एक अधिकारी ने बताया, सीआरजेड की मंजूरी के बाद देश के सबसे पुराने व बड़े डंपिंग ग्राउंड पर कचरे को हटाने का काम शुरू होगा। देवनार में धारावी के अपात्र लोगों को बसाया जाएगा। ब्रिटिश काल से अस्तित्व में मौजूद यह डंपिंग ग्राउंड लंबे समय से स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था। यहां बार-बार लगने वाली आग व उससे उठने वाला जहरीला धुआं आसपास के क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता रहा है। सीआरजेड से मंजूरी के बाद अब कचरे के वैज्ञानिक तरीके से निपटान की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

धारावी के अपात्र लोगों को यहीं बसाने की तैयारी

मुंबई हलचल

आप हमें (नंबर) पर जानकारी व्हाट्सऐप भी कर सकते हैं।

पूर्वई संस्कृति कला विकास केंद्र के द्वारा आयोजित स्वर्गीय केलुचरण महापात्रा की 100वीं जयंती एवं 22वीं पुण्यतिथि पर रविन्द्र नाट्य मंदिर प्रभादेवी में गुरु हरीश गंगानी, गुरु कमल बादिल एवं उनकी शिष्याओं अनीता, आत्रे, सोनी, सुजाता, दर्शा एवं रुबी ने नृत्य की प्रस्तुति दी।

NBT अभियान | महेंद्र गुप्ता

स्क्रीन से आजादी

हर समय कुछ न कुछ जानकारी पाने की तलब है मोबाइल की लत का बड़ा कारण

क्या है FOMO, जो रखता है आपको हर वक्त बेचैन

अनंत माहेश्वरी 24 साल के हैं। एक साल पहले बेंगलुरु की एक आईटी कंपनी में उनकी नौकरी लगी थी, लेकिन 6 महीने बाद ही वे एक अजीब समस्या से ग्रस्त हो गए। उन्हें लगने लगा कि देश-दुनिया में जो कुछ आईटी सेक्टर में चल रहा है, वे उससे अपडेट नहीं हैं। साथ ही यह डर लगा रहता था कि वे एआई के इस दौर में पीछे छूट रहे हैं। यह डर कुछ ही दिन में इस आशंका में बदल गया कि उनकी नौकरी जाने वाली है, उन्हें कंपनी से निकाला जा सकता है। अनंत ने एक मनोचिकित्सक की मदद ली। इसके बाद उन्हें पता चला कि वे FOMO (Fear of Missing Out) यानी 'कुछ छूट जाने के डर' की समस्या के शिकार हैं।

बेशक, इस दौर में मोबाइल और सोशल मीडिया हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन इनके बढ़ते उपयोग के पीछे FOMO एक मनोवैज्ञानिक कारण के रूप में तेजी से उभरा है। यह सिर्फ एक साधारण भावना नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक ऐसी आदत बन जाती है, जो व्यक्ति को मोबाइल पर निर्भर बना देती है।

FOMO में होता यह है कि लगातार महसूस होता है कि कहीं आप कोई जरूरी जानकारी, ट्रेंड या सामाजिक गतिविधि, एडवांस टेक्नोलॉजी आदि मिस न कर दें। साथ ही यह होता है कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर लोग अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे पलों को या उपलब्धियों को साझा करते हैं, जिससे देखने वालों को लगता है कि वे पीछे छूट रहे हैं। यही भावना व्यक्ति को बार-बार मोबाइल चेक करने के लिए मजबूर करती है।

एक्सपर्ट की सलाह : FOMO नहीं, JOMO की तरफ जाएं

ख्यात मनोचिकित्सक डॉ. अविनाश डिसूजा बताते हैं कि FOMO की समस्या से निजात पाने के लिए आप JOMO अपना सकते हैं यानी Joy Of Missing Out. यह तय करना कि जो काम सभी कर रहे हैं, उससे अलग मैं दूसरे काम कर के आनंद का अनुभव करूं। जैसे किताब पढ़कर, संगीत सीखकर या दोस्तों के साथ मिल-जुलकर। इसके अलावा भी कुछ तरीके आप अपना सकते हैं। जैसे-

- **डिजिटल डिटॉक्स अपनाएं:** दिन में कुछ समय मोबाइल से दूरी बनाएं।
- **नोटिफिकेशन सीमित करें:** केवल जरूरी ऐप्स को अलर्ट रखें।
- **माइंडफुलनेस का अभ्यास करें:** मेडिटेशन से मानसिक संतुलन बनाए रखें।
- **रियल लाइफ पर ध्यान दें:** परिवार, दोस्तों और अपने शौक को प्राथमिकता दें।
- **तुलना से बचें:** याद रखें कि सोशल मीडिया केवल लोगों की अच्छी झलक दिखाता है, पूरी सच्चाई नहीं। खुद को कमतर न आंकें। अपनी योग्यताओं को याद करें।

याद रखें FOMO का असर केवल आदत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह मानसिक और सामाजिक जीवन को भी खासा प्रभावित करता है:

- तनाव, चिंता और डिप्रेशन
- नींद की कमी
- परिवार और दोस्तों से दूरी
- काम या पढ़ाई में ध्यान की कमी
- आत्म-संतोष में गिरावट

इन लक्षणों से पहचानें FOMO की स्थिति

- हर कुछ मिनट में फोन चेक करता है।
- नोटिफिकेशन का इंतजार करता रहता है।
- बिना जरूरत भी सोशल मीडिया स्क्रॉल करता रहता है।
- ऑफलाइन रहने पर बेचैनी या चिंता।
- दूसरों की पोस्ट देखकर खुद को कमतर समझना।
- नींद से पहले और सुबह उठते ही फोन देखना।

यह आदत धीरे-धीरे मजबूरी बन जाती है, जिसे compulsive behavior कहा जाता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि FOMO का संबंध दिमाग के डोपामाइन से होता है। जब भी कोई नोटिफिकेशन आता है या नया कंटेंट दिखता है, दिमाग में डोपामाइन रिलीज होता है, जिससे खुशी का अहसास होता है। यही प्रक्रिया बार-बार दोहराने से व्यक्ति इसका आदी हो जाता है। दिमाग का रिवॉर्ड सिस्टम लगातार सक्रिय रहने लगता है और व्यक्ति को हर समय कुछ नया देखने की चाह बनी रहती है।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr

आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलकारक रहेगा। द्वादश भाव (व्यय भाव) में सूर्य की उपस्थिति है, परंतु एकादश भाव (लाभ भाव) का चंद्रमा राज्य से सम्मान तथा रुके हुए कार्यों की सिद्धि कराएगा। धार्मिक यात्रा का प्रबल योग बनेगा, हालांकि किसी कारण से यह स्थगित भी हो सकता है।

TAURUS 20 Apr - 19 May

आपकी राशि का स्वामी शुक्र द्वादश भाव में रहकर मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि कर रहा है। चंद्रमा दशम भाव (कर्म भाव) में होने से आपकी निर्णय क्षमता और विचार शक्ति का विस्तार होगा। सत्ता और शासन से जुड़े व्यक्तियों के सहयोग से धन लाभ के योग हैं। अवसर का लाभ उठाने के लिए तत्पर और सचेष्ट रहें।

GEMINI 21 May - 21 Jun

राशि स्वामी बुध, कुंभ राशि में राहु के साथ नवम भाव (भाग्य भाव) में गोचर कर रहे हैं। इसके प्रभाव से अकारण शत्रुता या बिना बात की चिंता मन को घेर सकती है। चतुर्थ भाव में केतु और जन्म राशि से गुरु की स्थिति माता के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। व्यवसाय में अपार सावधानी बरतें।

CANCER 22 Jun - 22 Jul

आज का दिन आपके लिए सुख-शांति लेकर आएगा। पिछले कई दिनों से चल आ रहा मानसिक तनाव आज कम होगा। राशि स्वामी चंद्रमा अष्टम भाव में होने के बावजूद आपके पराक्रम में वृद्धि करेंगे और कोर्ट-कचहरी के मामलों में विजय दिलाएंगे। मिथुन राशि का गुरु आपकी पत्नी को रोगमुक्त करेगा।

LEO 23 Jul - 22 Aug

राशि स्वामी सूर्य अष्टम भाव में कुंभ राशि का होकर गोचर कर रहे हैं। चंद्रमा सप्तम भाव में होने के कारण अचानक बड़ी मात्रा में धन लाभ उठाकर आपके कोष की वृद्धि करेंगे। शाम के समय कोई खुशी देने वाला समाचार प्राप्त होगा और रात में किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep

आज आपके स्वास्थ्य और पिछले कुछ समय से सुस्त पड़े कारोबार में सुधार होगा। मन के अनुकूल धन लाभ होने से आपका मनोबल बढ़ेगा। पत्नी और संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा। यदि रिश्तेदारों के साथ मनमुटाव है, तो उसे दूर करने का यह अच्छा समय है।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct

आपकी राशि के स्वामी शुक्र का मेष राशि में प्रवेश हो चुका है। इससे आपको राजनैतिक क्षेत्र में कार्य करने के नए अवसर प्राप्त होंगे। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी और परिवार में मांगलिक परिवर्तन के योग हैं। रात में किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात होने से रुके हुए महत्वपूर्ण कार्यों में गति आएगी।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov

आज का दिन विशेष व्यस्तता भरा रहेगा, फिर भी आप स्वयं को तनावमुक्त महसूस करेंगे। आपकी राशि से पंचम भाव में शनि का योग बना हुआ है, इसलिए विवेक और धैर्य से काम लें। विरोधी लोगों से व्यर्थ के विवाद में न उलझें, अन्यथा हानि हो सकती है। खान-पान में सावधानी बरतें।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec

आपकी राशि पर मंगल की दृष्टि अग्नि या चोरी का भय उत्पन्न कर सकती है, सतर्क रहें। पंचम भाव में शनि की उपस्थिति व्यर्थ के व्यय और लोलुपता को जन्म दे सकती है। यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। तृतीय भाव का चंद्रमा शाम तक कोई शुभ समाचार देगा, जिससे मन खुश रहेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan

आज का दिन आपके प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाला है। चतुर्थ भाव (सुख भाव) में राहु की स्थिति भूमि और संपत्ति के कार्यों से अप्रत्याशित लाभ कराएगी। अपने पुत्रों के सान्निध्य से मन प्रसन्न रहेगा। उच्चाधिकारियों के सहयोग से सरकारी या राजकीय क्षेत्रों में किसी रुके हुए काम फिर से बन जाएंगे।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb

आपकी राशि का स्वामी शनि, मीन राशि में होकर द्वितीय भाव (धन भाव) में स्थित है। चंद्रमा आज आपकी ही राशि (प्रथम भाव) में गोचर कर रहा है, जो आय के नए स्रोत विकसित करेगा। आपके शत्रु और प्रतिद्वंद्वी पराजित होंगे। कोई नया परिवर्तन स्थायी मित्रता में बदल सकता है। समय का पूरा लाभ उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar

राशि स्वामी गुरु पिछले कई दिनों से मिथुन राशि में होकर चतुर्थ भाव में भ्रमण कर रहे हैं। चंद्रमा आज द्वादश भाव में होने के बावजूद उत्तम संपत्ति का सुख प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा वापस मिलने की प्रबल संभावना है। अपनी बुद्धिमानी से, आप किसी कठिन समस्या का समाधान खोज लेंगे।

सुडोकू

		5		8		1		
			4		2			
4	9						7	8
1		6	2		5	9		3
				9				
8		9	3		6	2		7
2	4						5	1
			7		8			
		7		5		8		

कल के सुडोकू का जवाब

9	1	2	8	7	4	3	5	6
4	3	5	6	1	9	7	2	8
6	8	7	2	5	3	9	1	4
5	7	8	9	2	6	1	4	3
2	9	4	7	3	1	6	8	5
3	6	1	5	4	8	2	7	9
8	5	6	1	9	7	4	3	2
7	2	3	4	6	5	8	9	1
1	4	9	3	8	2	5	6	7

TELEVISION big magic

- 09:00 ब्रह्म राक्षस
- 10:00 बालवीर इज़बैक
- 11:00 रुद्र के रक्षक
- 11:30 अलादीन
- 12:00 यशोमती मैया के नंदलाला
- 13:30 म से माँ
- 14:30 हम पांच
- 15:00 अजब देश की गजब कहानी
- 16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
- 18:30 रुद्र के रक्षक
- 21:00 चंद्रा

कल का पंचांग

(मंगलवार, 14 अप्रैल 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 24, शक संवत 1948, वैशाख कृष्ण, द्वादशी, मंगलवार, विक्रम संवत 2083। सौर वैशाख मास प्रविष्टे 1, शव्वाल 25, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 14 अप्रैल 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, वसंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। द्वादशी तिथि अर्धरात्रोत्तर 12 बजकर 13 मिनट तक के बाद त्रयोदशी तिथि का आरम्भ। शतभिषा नक्षत्र सायं 4 बजकर 6 मिनट तक के बाद पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र का आरम्भ। शुक्ल योग अपराह्न 3 बजकर 40 मिनट तक के बाद ब्रह्म योग का आरम्भ। कौलव करण मध्याह्न 12 बजकर 41 मिनट तक के बाद गर करण का आरम्भ। चंद्रमा दिन रात कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार वरूथिनी एकादशी व्रत, श्री वल्लभाचार्य जयंती।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको रजत पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष की मुथा दशम केंद्र में राज्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि करेगा। अप्रैल से लेकर मई-जून तक आपके ज्ञान-विज्ञान की विशेष वृद्धि होगी, लेकिन जुलाई-अगस्त में आयात-निर्यात के व्यवसाय से जुड़े जातकों को बार-बार नई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। सितंबर में सभी बाधाएं दूर होंगी। अक्टूबर अंत तक जहां आपको किसी भाग्यवर्धक क्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा, वहीं नवंबर में आपके कार्य कौशल से सभी कठिन कार्य सरल हो जाएंगे। इस वर्ष के उत्तरार्ध में आपका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा और दिसंबर से जनवरी 2027 के मध्य लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। महिलाओं के दाम्पत्य जीवन में सरसता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को साधारण परिश्रम से ही उच्च सफलता प्राप्त होगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

टेंडर अलॉट होने के 5 महीने बाद भी 6 स्टेशनों पर शुरू नहीं हुए EMR

CR के 10 स्टेशनों के लिए निकाला गया था इमरजेंसी मेडिकल रूम के लिए टेंडर

Priya.Pandey@timesofindia.com

■ मुंबई : अक्टूबर 2025 से लेकर दिसंबर 2025 तक मध्य रेलवे के 10 स्टेशनों पर चरणबद्ध तरीके से इमरजेंसी मेडिकल रूम (EMR) की फैसिलिटी प्रदान करने के लिए टेंडर अलॉट किया गया था, लेकिन अब तक 6 स्टेशनों पर यह फैसिलिटी शुरू नहीं हो सकी है। इनमें से अधिकांश स्टेशनों पर टेंडर अलॉट हुए करीब 5 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सर्विस शुरू नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह फैसिलिटी 10 में से सिर्फ 4 स्टेशनों पर शुरू हो पाई है और 6 स्टेशनों पर अब तक विभिन्न कारणों से नहीं खुल पाई है। अधिकारी का कहना है कि टेंडर अलॉट होने के बाद जगह की मरम्मत और सभी फॉर्मेलिटी को पूरी करने के बाद सर्विस शुरू की जाती है।

पश्चिम रेलवे के सिर्फ 16 स्टेशनों पर ही मौजूद EMR

वर्तमान में पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन के सिर्फ 16 स्टेशनों पर ही EMR फैसिलिटी मौजूद है। इसके अलावा 26 स्टेशनों पर मेडिकल बॉक्स और 84 स्टेशनों पर ऐम्बुलेंस सर्विस मौजूद है। अधिकारी का कहना है कि हमने विभिन्न स्टेशनों के लिए कई बार टेंडर निकाला है, लेकिन इसको लेकर लोगों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई।

मध्य रेलवे के इन 10 स्टेशनों पर EMR फैसिलिटी के लिए अलॉट किए गए थे टेंडर

टिटवाला	EMR चल रहा
कुर्ला	EMR चल रहा
कर्जत	EMR चल रहा
लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT)	EMR चल रहा
ठाणे	EMR शुरू नहीं
मुंब्रा	EMR शुरू नहीं
कलवा	EMR शुरू नहीं
घाटकोपर	EMR शुरू नहीं
मानखुर्द	EMR शुरू नहीं
चेंबूर	EMR शुरू नहीं

10 में से 5 टेंडर SB इंटरप्राइजेज को मिले, RTI से हुआ खुलासा

आरटीआई द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, टिटवाला में ममता हॉस्पिटल, कुर्ला में एसबी इंटरप्राइजेज, कर्जत में श्री ओम साई क्लिनिक, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) पर एसबी इंटरप्राइजेज, मुंब्रा में एसबी इंटरप्राइजेज, ठाणे में एसबी इंटरप्राइजेज, कलवा में अल्फाइन डायग्नोस्टिक, घाटकोपर में एसटी फूड ऐंड इंटरप्राइजेज, मानखुर्द में ममता हॉस्पिटल और चेंबूर में भी एसबी इंटरप्राइजेज को टेंडर दिया गया है। सबसे ज्यादा 5 टेंडर एसबी इंटरप्राइजेज को दिए गए हैं। बता दें कि कलवा में नवंबर और घाटकोपर में दिसंबर में टेंडर अलॉट किया गया था, पर बाकी सभी स्टेशनों के लिए अक्टूबर में ही टेंडर अलॉट किया गया था। इन सब का टेंडर 2030 में एक्सपायर होगा।

मध्य रेलवे के इन स्टेशनों पर पहले से चल रहे
- कल्याण
- भायखला
- वाशी

परिचम रेलवे के मुंबई डिवीजन के 16 स्टेशनों पर ही सुविधा

क्यों है EMR जरूरी

मेडिकल रूम का मकसद यात्रा के दौरान अचानक बीमार होने या दुर्घटना की स्थिति में इलाज देना है। वहां हमेशा डॉक्टर और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारी रहते हैं। छोटी जांच सुविधा, दवाइयां और अस्पताल ले जाने के लिए वाहन भी उपलब्ध होते हैं।

“ टेंडर अलॉट होने के बाद, जगह की मरम्मत और सभी फॉर्मेलिटी रेलवे द्वारा पूरी की जाती है। इन सब को पूरा करने के बाद तुरंत सर्विस शुरू की जाती है। इसमें अस्पतालों को 1 महीने का समय दिया गया है। निहित समय में यदि ऐसा नहीं हुआ है, तो इसपर संज्ञान लिया जाएगा।
- डॉ स्वप्निल नीला, सीपीआरओ, मध्य रेलवे

“ इमरजेंसी मेडिकल रूम बनाने के लिए 300 वर्ग फीट जगह की जरूरत होती है। कई बार टेंडर के बाद भी कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता है। यदि EMR नहीं है, तो कार्रवाई की जाएगी।
- विनीत अभिषेक, CPRO, पश्चिम रेलवे

12000 करोड़ बचेगा, लाडली बहन योजना में बड़ी छंटनी

31 मार्च तक 68 लाख को सरकार ने किया योजना से बाहर

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: सरकार ने लाडली बहन योजना के तहत 68 लाख महिलाओं को अपात्र घोषित किया है। इससे सरकार का सालाना 12240 करोड़ रुपये बचेगा। वहीं लाडली बहन योजना पर वार्षिक खर्च 43740 करोड़ से घटकर 31500 करोड़ रुपये रह जाएगा। सरकार ने लाडली बहन योजना के लिए e-KYC की डेडलाइन 30 अप्रैल तक बढ़ा दी है। पहले लाडली बहन योजना का e-KYC 31 मार्च तक था। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि योजना से 68 लाख महिलाओं के नाम बाहर होने से अब दूसरे विभागों से निधि लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

43740 करोड़ से घटकर 31500 करोड़ रह जाएगा सालाना बजट

एकनाथ शिंदे सरकार ने जुलाई 2024 में राज्य में लाडली बहन योजना शुरू की थी। शुरुआत में इस योजना के तहत करीब 2 करोड़ 47 लाख महिलाएं लाभार्थी थीं, इनमें से 31 मार्च 2026 तक 1 करोड़ 75 लाख महिलाओं ने ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा किया। वहीं 68 लाख महिलाएं अपात्र होकर योजना से बाहर हो गईं। इसके तहत पात्र महिलाओं को 1500 रुपये की किस्त दी जा रही है। लेकिन अपात्र महिलाओं द्वारा योजना का लाभ लेने की शिकायत मिलने के बाद सरकार ने 18 सितंबर 2025 को परिपत्र जारी कर योजना का लाभ लेने के लिए दो माह के भीतर ई-केवाईसी करना अनिवार्य किया था।

अपात्र महिलाओं को मिले 20 हजार करोड़

आखिरकार इस योजना से 68 लाख महिलाएं बाहर हो गईं। वहीं अब 1 करोड़ 75 लाख महिलाएं इस योजना के लिए पात्र पाई गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले 20 महीने में अपात्र महिलाओं के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक जमा किए गए हैं। अब इन महिलाओं के योजना से बाहर होने से राज्य सरकार का हर साल लगभग 12240 करोड़ रुपये बचेगा। इस योजना के लिए कुल 43740 करोड़ रुपये साल में खर्च होने का अनुमान था, जो अब घटकर 31500 करोड़ रुपये रह जाएगा।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई इस योजना के तहत जरूरतमंद महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने 1500 रुपये जमा किए जाते थे। यह योजना काफी लोकप्रिय रही और इसका राजनीतिक लाभ भी मिला। हालांकि, सरकार के ध्यान में आया कि बड़ी संख्या में फर्जी लाभार्थी भी योजना में शामिल हो गए थे। उस दौरान सरकार ने कोई जांच-पड़ताल नहीं की। इसका अपात्र महिलाओं सहित पुरुषों ने भी लाभ उठाया। चुनाव के बाद सरकार ने जांच शुरू की तो 68 लाख महिलाएं अपात्र हो गईं, इससे सरकार के खजाने पर भी भार कम होगा।

नए श्रम क़ानून से उद्योगपतियों को भी मिलेगा फायदाः आकाश फुंडकर

■ NBT रिपोर्ट मुंबई : नारायण मेघाजी लोखंडे व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पुरस्कार वितरण समारोह में श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने दावा किया कि केंद्र सरकार के नए श्रम कानून से मात्र श्रमिकों को ही फायदा नहीं हो रहा है, बल्कि इससे उद्योगपतियों को भी लाभ होगा। इसलिए वे ऐसा न सोचें कि नए श्रम कानूनों से उन्हें किसी प्रकार का नुकसान होगा।

शनिवार को निको सेंटर में श्रम विभाग द्वारा आयोजित समारोह में श्रम मंत्री फुंडकर ने कहा, नए कानून से श्रमिकों के अधिकार मजबूत होने के साथ-साथ उद्योगों के लिए सरल नियामक व्यवस्था उपलब्ध होगी। इस अवसर पर राज्य में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जोखिमयुक्त तथा गैर-जोखिमयुक्त उद्योगों को सम्मानित किया गया। मंत्री फुंडकर ने कहा, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने कई नीतिगत सुधार किए हैं। औद्योगिक संरचना में लचीलापन लाने से उद्योग और श्रमिक दोनों को लाभ हुआ है, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हुई है। महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा, प्रतिबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में अब महिलाओं को कार्य करने का मौका दिया गया है।

मंत्री बोले- श्रमिकों के अधिकार मजबूत होने के साथ-साथ उद्योगों के लिए सरल नियामक व्यवस्था उपलब्ध होगी

श्रमिकों को मिलेगा स्वस्थ कार्य वातावरण

श्रम विभाग की प्रधान सचिव आईए कुंदन ने बताया, नई श्रम संहिताओं के कारण वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में एकीकृत कानूनी ढांचा तैयार हुआ है, जिससे श्रमिकों को अधिक सुरक्षा, स्वस्थ कार्य वातावरण और सामाजिक सुरक्षा के लाभ मिलेंगे। वहीं, उद्योगों को प्रक्रियात्मक सरलता और स्पष्टता प्राप्त होगी।

12:52 बजे चर्चगेट से विरार के लिए पहली AC लोकल रवाना हुई

पेज 1 से आगे

भाईंदर और नायगांव स्टेशनों के बीच ओएचई में सुबह 7:52 बजे डाउन थ्रू लाइन पर खराबी आई। शुरुआत में दो लोकल ट्रेन और एक मेमू सेवा को रोकना पड़ा। बाद में एक लोकल और एक मेमू को हटाया गया। प्रभावित ट्रेन को हटाने के लिए डीजल इंजन की व्यवस्था की गई। साथ ही, मरम्मत कार्य के लिए वसई रोड से टावर वैगन मौके पर भेजा गया। मौके पर ट्रैक्शन विभाग के करीब 50 कर्मचारी, इलेक्ट्रिकल रोलिंग स्टॉक के 20 कर्मचारी, तीन टॉवर वैगन और दो डीजल इंजन तैनात किए गए। ब्लॉक और तकनीकी खामी से यात्री परेशान रहे।

इस दौरान डीआरएम, एडीआरएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे, जबकि अन्य अधिकारी कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद भाईंदर-नायगांव डाउन फास्ट लाइन दोपहर 12:47 बजे बहाल कर दी गई। इसके बाद 12:52 बजे चर्चगेट से विरार जाने वाली पहली AC लोकल ट्रेन रवाना हुई।

मध्य रेल की सख्ती, 41.90 लाख बिना टिकट यात्री पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिना टिकट और अमान्य टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 41.90 लाख यात्रियों को पकड़ा। यह संख्या पिछले वर्ष के 38.05 लाख मामलों की तुलना में करीब 10% अधिक है। रेलवे ने इस दौरान जुर्माने के रूप में रिकॉर्ड 251.91 करोड़ रुपये वसूले, जो पिछले साल के 203.70 करोड़ रुपये से लगभग 24% ज्यादा है। जानकारी के अनुसार, कुल मामलों में से 29.27 लाख गैर-उपनगरीय मामले हैं, जिनसे 213.31 करोड़ रुपये वसूले गए और 12.63 लाख उपनगरीय मामलों से 38.36 करोड़ रुपये की वसूली की गई। मार्च 2026 में ही 3.91 लाख यात्री पकड़े गए, जो मार्च 2025 के मुकाबले 14% अधिक है।

एसी लोकल में भी बढ़े मामले

मध्य रेल ने सीएसएमटी-कल्याण मेन लाइन और सीएसएमटी-पनवेल हार्बर लाइन पर 28 सेवाओं को नॉन-एसी से एसी में अपग्रेड किया, जिससे कुल एसी सेवाएं बढ़कर 94 हो गईं। इसी कड़ी में एसी लोकल ट्रेनों में 1.23 लाख बिना टिकट यात्री पकड़े गए, जो पिछले साल से 25% ज्यादा है। इनसे 3.89 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया।

CR के 24 टिकट चेकर बने करोड़पति

CR के 24 टिकट चेकिंग कर्मियों ने व्यक्तिगत स्तर पर 1 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली कर नया रेकॉर्ड बनाया। इन्होंने 25.78 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया। इनमें मुख्यालय के 10, भुसावल मंडल के 10, मुंबई मंडल के 3 और पुणे मंडल के 1 कर्मी शामिल हैं।

मंडलवार आंकड़े

मुंबई मंडल - 17.97 लाख मामलों से 80.98 करोड़ रुपये वसूले गए।
पुणे मंडल - 4.73 लाख मामलों से 30.15 करोड़ रुपये वसूले गए।

आज म्हाडा में लगाया जाएगा जनसुनवाई दरबार

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई। महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के उपाध्यक्ष संजीव जयस्वाल सोमवार दोपहर 12 बजे म्हाडा से संबंधित लोगों की समस्याएं सुनेंगे। नागरिकों की परेशानियां सुनने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर उनका निवारण किया जाएगा।

सरकार के आदेश के बाद से 2024 से म्हाडा उपाध्यक्ष हर महीने के दूसरे सोमवार को लोकशाही दिवस का आयोजन कर रहे हैं। लोकशाही दिवस में नागरिकों को सीधे अपनी बात म्हाडा उपाध्यक्ष के सामने रखने का मौका मिलता है।

कोई भी नागरिक म्हाडा की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन पत्र भरकर लोकशाही दिवस में भाग ले सकता है। आवेदक को लोकशाही दिवस के 15 दिन पहले आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करना होता है।

टेंडर दिलाने के नाम पर 1.25 करोड़ की ठगी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: MHB पुलिस ने 6 महीने बाद धोखाधड़ी के आरोपी साजिद सैयद को गिरफ्तार किया है। साजिद पर गोवा सरकार के CSR फंड के जरिए टेंडर दिलाने के नाम पर 1.25 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, साजिद सैयद ने इस मोडस ऑपरेंडी से उत्तराखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा और कश्मीर सहित कई राज्यों के लोगों को शिकार बनाया है।

पैंगोलिन शल्क तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) की नागपुर क्षेत्रीय इकाई ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में कार्रवाई करते हुए पैंगोलिन शल्क तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 16.528 किलोग्राम शल्क बरामद हुए। यह कार्रवाई 12 अप्रैल को खुफिया सूचना के आधार पर की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से भारतीय पैंगोलिन के शल्क की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल थे। भारतीय पैंगोलिन को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची-I में शामिल किया गया है, जिससे इसे सर्वोच्च कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तस्करी जारी है। जब्त शल्क और आरोपियों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया है।

विक्रोली में संपत्ति के लिए सास ने बहू पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: विक्रोली पुलिस स्टेशन में 76 वर्षीय एक महिला ने अपनी बहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बुजुर्ग महिला ने बहू कुलसुम मोहसिन सैयद के खिलाफ ज्येष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता के अनुसार, उनके दो बेटे और पांच बेटियां हैं। बड़े बेटे का निधन हो चुका है, जबकि दूसरा बेटा 43 वर्ष का है और अविवाहित है। उनकी सभी बेटियां शादीशुदा हैं और अपने-अपने घरों में रहती हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि बड़े बेटे की मौत के बाद से उनकी बहू उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रही है। वह उनकी देखभाल नहीं करती और खाना-पीना भी ठीक से नहीं देती। साथ ही, घर अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाती है।

आरोपी को जारी किया नोटिस

स्थिति ऐसी हो गई है कि पीड़िता को बीच-बीच में अपनी बेटियों के घर जाकर रहना पड़ता है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि बहू ने उनकी बेटियों को घर आने से मना किया है। वहीं, छोटा बेटा काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहता है। उसने घर में कैमरे लगवाए थे, लेकिन बहू ने उन्हें भी तोड़ दिया। महिला का कहना है कि बहू संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए उन्हें परेशान कर रही है। पुलिस ने आरोपी कुलसुम मोहसिन सैयद को नोटिस जारी कर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया है।

पति पर बेटे से मारपीट का आरोप, FIR दर्ज

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: पार्क साइट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ बेटे से मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। 34 वर्षीय पीड़िता आईआईटी पुलि नगर के पास रहती है और घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है, जबकि उसका पति बाउंसर है।

महिला के अनुसार, शनिवार को घर लौटने पर उसका 10 वर्षीय बेटा रो रहा था और 9 वर्षीय बेटी डरी हुई थी। पूछने पर बेटी ने बताया कि पिता ने बेटे को मारा है। बेटे ने भी मारपीट की पुष्टि की। महिला ने पति को फोन किया तो उसने धमकी दी। इसके बाद वह सास के साथ बेटे को अस्पताल ले गई, जहां उसे भर्ती कराया गया। घटना के बाद महिला ने पार्क साइट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर नोटिस जारी किया है।

मेटल शीट में छिपाकर ले जा रहे थे 210 किलो गांजा

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) की मुंबई जोनल यूनिट (MZU) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। NCB ने नागपुर से 210 किलोग्राम गांजा समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। NCB के एक अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर टीम ने नागपुर में एक ट्रक को रोका, जो पश्चिम बंगाल के रजिस्ट्रेशन का था। जांच में ट्रक में मेटल शीट के बीच छिपाकर रखे गए 210 किलो गांजे को जब्त किया गया। इस मामले में पी.कुमार और आर.कुमार नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ में पता चला कि यह गांजा संबलपुर (ओडिशा) से लाया गया था। इस केस में ही नागपुर के दो स्थानीय सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि यह खेप मुंबई के अलावा महाराष्ट्र के कई शहरों जैसे अमरावती, अकोला, नासिक और पुणे में सप्लाई की जानी थी।

वर्सोवा में युवक पर जानलेवा हमला, केस दर्ज

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: वर्सोवा इलाके में एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। यह वारदात शनिवार रात अंधेरी के सात बंगला इलाके में हुई। घायल मोहम्मद जायद शेख (30) कूपर अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को आशंका है कि पुरानी रंजिश के कारण शेख पर हमला हुआ।

पुलिस के अनुसार, शेख अस्पताल से अपने रिश्तेदार से मिलकर लौट रहा था। रास्ते में तीन लोगों ने उसे रोक लिया। आरोपियों में से दो युवक शेख के परिचित बताए जा रहे हैं, जबकि तीसरा अज्ञात है। पहले आरोपियों ने उनके साथ बहस की और 'जिंदा नहीं छोड़ेंगे' कहकर धमकी दी। इसके बाद किसी हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर कर सभी आरोपी फरार हो गए। आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

12 साल की उम्र में 4 बार हार्ट सर्जरी

बेटी की अटूट हिम्मत और डॉक्टर के परिश्रम की हुई जीत

Suraj.Pandey@timesofindia.com

■ मुंबई: नागपुर की 12 वर्षीय बच्ची इहा शिवालकर ने जन्मजात दिल की गंभीर बीमारी से लड़ते हुए चार-चार हार्ट सर्जरी झेलीं और अब वह एक सामान्य जीवन जी रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, यह मामला न सिर्फ मेडिकल साइंस के लिए चुनौतीपूर्ण था, बल्कि उम्मीद जगाने वाला भी है। 4 सर्जरी झेलना बच्ची की हिम्मत और वह सामान्य जिंदगी जी सके, इसके लिए डॉक्टर के परिश्रम को दर्शाता है।

इहा की मां पल्लवी बताती हैं कि जन्म के समय बच्ची नीली पड़ जाती थी और दूध पीने में दिक्कत होती थी। जांच में गंभीर हृदय रोग का पता चला। बच्ची की चार सर्जरी कर चुके एचएन रिलायंस के पीडियाट्रिक कार्डियक साइंस के डायरेक्टर डॉ. शिवप्रकाश कृष्णनायक ने बताया कि बच्ची का दिल चार चैम्बर का नहीं, बल्कि केवल दो चैम्बर का था। ऐसे मामलों में खून का संचार सही तरीके से नहीं हो पाता। इस स्थिति को सुधारने के लिए तीन चरणों में सर्जरी करनी पड़ती है, जिसे मेडिकल भाषा में 'फॉन्टान प्रक्रिया' कहा जाता है। इहा की पहली सर्जरी जन्म के तुरंत बाद 2013 में हुई थी, जब उसके दिल में गंभीर समस्या सामने आई। इसके बाद 2014 में दूसरी सर्जरी (बायडायरेक्शनल ग्लेन) और 2017 में तीसरी व सबसे अहम 'फॉन्टान' सर्जरी की गई। इस दौरान दिल की धड़कन नियंत्रित रखने के लिए पेसमेकर भी लगाया गया। आमतौर इसके बाद समस्या नहीं आती है, लेकिन कुछ साल बाद दिल की मुख्य रक्त आपूर्ति वाली नली के पास मांस बढ़ने (सबएऑर्टिक ऑब्स्ट्रक्शन) की समस्या सामने आई, जिससे स्थिति फिर गंभीर हो गई। ऐसे मामलों में पहले इलाज के विकल्प बेहद सीमित माने जाते थे, लेकिन हमने जोखिम उठाते हुए हाल ही में चौथी और बेहद जटिल ओपन हार्ट सर्जरी कर उस अतिरिक्त मांस को सफलतापूर्वक हटा दिया। अब इहा आने वाले 40-50 वर्षों तक सामान्य जीवन जी सकती है, ठीक वैसे ही जैसे अन्य 'फॉन्टान' मरीज जीते हैं।

मां पल्लवी ने बताया कि हर सर्जरी हमारे लिए परीक्षा थी, लेकिन डॉक्टर पर भरोसा और बेटी की हिम्मत ने हमें संभाले रखा। आज इहा छठी कक्षा में पढ़ रही है और सामान्य बच्चों की तरह जिंदगी जी रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, यह केस इस बात का उदाहरण है कि आधुनिक चिकित्सा न सिर्फ जीवन बचा रही है, बल्कि उसकी गुणवत्ता भी बेहतर बना रही है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

क्या है फॉन्टान सर्जरी

फॉन्टान सर्जरी उन बच्चों में की जाती है, जिनका दिल जन्म से पूरी तरह विकसित नहीं होता और उसमें केवल एक ही वेंट्रिकल ठीक से काम करता है। ऐसी स्थिति में शरीर और फेफड़ों के बीच खून का सामान्य प्रवाह बिगड़ जाता है, जिससे ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और बच्चा जल्दी थकने या नीला पड़ने लगता है। फॉन्टान प्रक्रिया में शरीर से आने वाले गंदे खून को सीधे फेफड़ों तक भेज दिया जाता है, ताकि वह ऑक्सीजन लेकर वापस दिल में आए और फिर शरीर में पंप हो सके। यह सर्जरी आमतौर पर तीन चरणों में पूरी की जाती है और इसका उद्देश्य दिल को पूरी तरह ठीक करना नहीं, बल्कि रक्त प्रवाह को इस तरह व्यवस्थित करना होता है कि बच्चा सामान्य और बेहतर जीवन जी सके।

CM सहायता निधिः 8 घंटे में मिलेगी मंजूरी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: मुख्यमंत्री (CM) सहायता निधि के तहत अब नई ऑनलाइन आवेदन प्रणाली शुरू की जा रही है, जिससे आवेदन को मंजूरी महज 8 घंटे में दी जाएगी। इस व्यवस्था में मरीजों को खुद आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि अस्पताल सीधे मुख्यमंत्री सहायता कक्ष में आवेदन भेजेंगे। मरीज अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 123 2211 पर संपर्क कर सकते हैं।

सहायता निधि के तहत राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए आर्थिक सहायता मिलती है। मरीजों को केवल अस्पताल में जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ही पूरी प्रक्रिया संभालेगा। यदि सभी दस्तावेज नियमों के अनुसार सही पाए जाते हैं, तो आवेदन को कार्यालयीन समय के भीतर 8 घंटे में मंजूरी मिल जाएगी। मुख्यमंत्री सहायता निधि और धर्मार्थ अस्पताल सहायता कक्ष की हाइटेक ऑनलाइन प्रणाली जल्द ही शुरू की जाएगी।

आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच राज्य में 40,776 मरीजों को कुल 333.06 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष के प्रमुख रामेश्वर नाइक के अनुसार, इस नई प्रणाली से मरीजों को बिना देरी इलाज मिल पाएगा। आवेदन प्रक्रिया तेज होगी और मरीजों का बिल समय पर बिना देरी के भरा जा सकेगा।

हवा की दिशा बदली, AQI पहुंचा 100 पार

मुंबई में और बढ़ेगी उमस, सताएगी गर्मी

■ NBT रिपोर्ट मुंबई: महानगर में पिछले कुछ दिनों से बेहतर बनी हुई हवा की गुणवत्ता (AQI) में अब हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, बीते सप्ताह जहां AQI 60-70 के बीच रहकर संतोषजनक श्रेणी में था, वहीं पिछले तीन दिनों में यह बढ़कर 100 से ऊपर पहुंच गया है। विशेषज्ञ के अनुसार हवा की दिशा बदलने से AQI में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं मुंबई में अब उमस और बढ़ेगी और लोगों को गर्मी भी सताएगी।

वायु प्रदूषण का मॉनिटरिंग करनेवाले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के 'समीर' ऐप के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 1 से 9 अप्रैल तक मुंबई का औसतन एक्यूआई 51 से 79 था, लेकिन विगत दिनों एक्यूआई 100 से 112 के बीच दर्ज किया गया है। 100 से अधिक एक्यूआई यानी वायु गुणवत्ता असंतोषजनक है। मौसम विशेषज्ञ राजेश कापड़िया ने बताया कि अप्रैल के शुरुआत से मुंबई की वायु गुणवत्ता ठीक थी। यह बदलाव मुख्य रूप से हवा की दिशा में परिवर्तन के कारण हुआ है। पहले चल रही पश्चिमी हवाओं के कारण प्रदूषण वायुमंडल में टिक नहीं रहा था, लेकिन जैसे ही ये हवाएं कमजोर हुईं, प्रदूषक कण वातावरण में ट्रैप होने लगे, जिससे AQI में वृद्धि दर्ज हुई।

हालांकि, यह स्थिति इतनी भी गंभीर नहीं है। वहीं तापमान की बात की जाए तो मुंबई में गर्मी के साथ-साथ और उमस भी काफी बढ़ने वाली है। आने वाले अगले चार दिनों तक अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 25-26 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। नमी में भी इजाफा होगा। दिन के समय 47 फीसदी के आसपास रहने वाली ह्यूमिडिटी बढ़कर 55 फीसदी से ऊपर जा सकती है, जबकि रात में यह 80 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

TIMES interact

COMMERCIAL PROPERTY- LEASE/ SALE
BHOSARI MIDC, PUNE, MAHARASHTRA
New Standalone Building
36,000 Sq.Ft. (Built up Area)
Basement + Parking + 5 Floors
Stack Parking Provision, Prime- Connected Location, 24 Mtr. Road on both sides.
IDEAL For: Corporate HQ, IT Park, Institutes, Hospital, Hotel & Lodging, Mall etc.
Umesh Phalke 9922435387

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

वास्तुकार (आर्किटेक्ट)

REQUIRED Architects & Interior designers having 2 to 10 yrs exp. Location: Kandivali. Send resumes on hr@diarchs.com

एकाधिक रिक्तियां

REQD. for Dyes Mfg. Unit at MIDC Badlapur East 1.Production Incharge 2.Plant Chemist 3.R&D Chemist 4.EHS Manager Send CV- 1993recruitment@gmail.com

सेवाएं

ज्योतिष

बिना बताये जाने सभी समस्याओं का हल प्रेमविवाह, विदेशयोग, गृहक्लेश, ऊपरी बाधा का ग्यारंटेड समाधान, लोग कहते हैं, हम करके दिखाते, 9860724766 / 8828864766

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, Appalasuri Tammineni Father of Venkata Satyanarayana T r/o Dharmapuram, Srikakulam, A.P - 532402 have changed my name from Appalasuri Tammineni to Tammineni Appalasuri vide aff. No. 77AB108667 dt. 11-04-2026 at Nashik

I,SIVASAMY Father of Vaiya Krishnan S r/oThinaikkula, Ariyanendal, Ramanathapuram, T.N- 623707 have changed my name from Sivasamy to Sivasamy M vide aff. No. 77AB108662 dt. 10-04-2026 at Nashik

I,DEI Vanai Mother of Vaiya Krishnan S r/oThinaikkula, Ariyanendal, Ramanathapuram, T.N- 623707 have changed my name from Dei Vanai to Theivanai S vide aff. No. 77AB108661 dt. 10-04-2026 at Nashik

I,UMA Wife of Sanjay Kumar Shukla r/o Maholiya Shivpar, Vikasnagar, Hardoi, U.P- 241001 have changed my name from Uma to Uma Shukla vide aff. No. 77AB108659 dt. 10-04-2026 at Nashik

I,SANTHOSH r/o Somnahalli, Mysuru, Karnataka - 571105 have changed my Son name from Karna to Karna Santhosh vide aff. No. 77AB108658 dt. 10-04-2026 at Nashik

टेंडर और नोटिस

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

In The Court of I Civil Judge Class - 1, District Court Indore
[illegible]
Process ID -
पेशी दिनांक - 14.05.2026
[illegible]

सार्वजनिक सूचना

[illegible]
201/202, [illegible]
मुंबई - 400001.
मेल - mail@rustgin.com

मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा, एक की मौत

■ NBT न्यूज, भिवंडी : भिवंडी तालुका के पुंडास-खंडाए गांव की सीमा से गुजरने वाले मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर चारपहिया और दोपहिया वाहन के बीच भयंकर दुर्घटना हुई। इस हादसे में परिवाली गांव के शरद पाटील (52) की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान अन्य दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही गणेशपुरी पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में भेज दिया था। बताया जाता है कि अकलोली-वज्रेश्वरी की ओर से मुंबई-नासिक हाईवे की दिशा में तेज गति से आ रही चारपहिया गाड़ी के चालक का नियंत्रण वाहन पर से हट गया। उस समय दोपहिया सवार शरद पाटील वडवा की दिशा से काम से घर लौट रहे थे। उसी समय चारपहिया वाहन ने उन्हें रौंद दिया। इससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई और अन्य दो लोग घायल हो गए। मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे का काम जारी रहने के दौरान उद्घाटन से पहले ही हुए इस हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

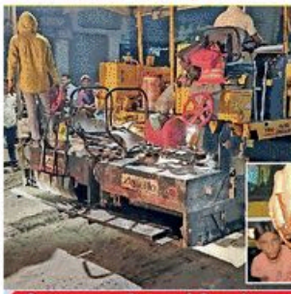

पामबीच रोड पर दुर्घटना, तीन युवक गंभीर रूप से हुए घायल

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई: नवी मुंबई की पामबीच रोड पर रविवार शाम सानपाड़ा के मोराज सर्कल के पास सड़क दुर्घटना हो गई। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नेरूल के डीवाई पाटिल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सानपाड़ा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दैवीदास कठारे ने बताया कि, तीनों युवक पामबीच रोड पर बेलापुर से वाशी की तरफ जा रहे थे।

गाड़ी की गति काफी अधिक होने के कारण उनका नियंत्रण हट गया और कार डिवाइडर से जा टकराई, जिससे चलते कार दूसरी तरफ आकर पलटी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को किनारे कर यातायात सुचारू किया।

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार

इस दुर्घटना में इनोवा में मौजूद तीनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पामबीच रोड पर अक्सर तेज गति के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसके बावजूद लोग गति पर नियंत्रण रखकर वाहन नहीं चलाते हैं। कानूनी तौर पर पामबीच रोड पर सिर्फ साठ की गति से वाहन चलाने की अनुमति है, लेकिन लोग उससे कहीं अधिक गति में वाहन चलाते हैं।

भिवंडी में रोड पैचवर्क की क्वॉलिटी पर भड़के लोग

नाराज जनता ने रुकवाया काम, घटिया डामरीकरण का आरोप

■ NBT न्यूज, भिवंडी : भिवंडी महानगर पालिका की ओर से मॉनसून से पहले शहर के हर प्रभाग में सड़कों के पैचवर्क का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। प्रशासन का दावा है कि बारिश में गड्ढों से निजात मिलेगी, लेकिन हकीकत पर नजारा कुछ और ही है। प्रभाग समिति क्रमांक-1 के अंतर्गत वॉर्ड नंबर 4 के वैताल पाड़ा से अलिया कॉम्प्लेक्स मार्ग पर हो रहे डामरीकरण के घटिया होने का आरोप लगाकर स्थानीय जनता भड़क गई और बीच सड़क पर उतरकर काम रुकवा दिया।

फैजुल उलूम मस्जिद के ठीक सामने पैचवर्क का काम चल रहा था। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि डामर के नाम पर केवल ऑयल मिला हुआ पानी छिड़का जा रहा है। लोगों का कहना है कि यह उनके टैक्स के पैसे की बर्बादी है। जनता की नाराजगी इतनी बढ़ गई कि उन्होंने ठेकेदार के काम को बीच में ही बंद करवा दिया। इसके बारे में जब मनपा के इंजिनियर से बात किया गया तो पता चला कि डामर न मिलने के कारण उसकी जगह इमल्सन का उपयोग किया जा रहा था, जिसे स्थानीय नागरिक पानी मिश्रित ऑयल बता रहे थे।

बता दें कि प्रभाग समिति क्रमांक एक की सड़कों पर हुए गड्ढों का पैचवर्क करने के लिए मनपा द्वारा उल्हासनगर की ब्रापी ऐंड कंपनी को एक करोड़ रुपए में पैचवर्क करने का ठेका दिया गया है। नागरिकों की मांग है कि जब वर्षों बाद सड़क पर हुए गड्ढे भरने का काम किया जा रहा है, तो पक्की सड़क क्यों नहीं बनाई जा रही है।

'बिना सड़क की सफाई किए हो रहा था काम'

काम रुकवाने के बाद वहां मौजूद नागरिकों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा बिना सड़क की सफाई कराए ही पैचवर्क का काम किया जा रहा था। पिछले आठ सालों से कोई काम हुआ नहीं था और जब शुरू हुआ तो घटिया काम किया जा रहा था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क के किनारे नाला भी नहीं बना है, जिसके कारण बारिश का पानी सड़क पर भरता रहता है। नागरिकों ने मनपा प्रशासन से सड़क के साथ नाला बनाने की मांग किया है। हंगामे की खबर मिलते ही स्थानीय पूर्व नगरसेवक महबूब शेख तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने उग्र जनता को समझाने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि अगर काम की गुणवत्ता खराब है, तो इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी।

'युद्ध की वजह से नहीं मिल रहा है डामर'

मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 1, शहर विभाग के कनिष्ठ अभियंता वसीम शेख ने कहा कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच हुई लड़ाई के कारण डामर मिल नहीं रहा है, जिसके कारण पैचवर्क का काम रुका हुआ था। वहीं, मॉनसून से पहले काम पूरा करने के लिए संबंधित ठेकेदार डामर की जगह इमल्सन का उपयोग कर रहा था। इमल्सन का भी उपयोग किया जाता है। ठेकेदार को सिर्फ पैचवर्क का ठेका दिया गया है, लेकिन वहां के नागरिक पूरी सड़क बनने की मांग कर रहे थे। वहां की सड़क के किनारे नाला भी नहीं है, जिसके लिए उन्होंने स्थानीय विधायक रईस शेख से संपर्क करके उन्हें नाला बनाने की मांग की है।

अगर काम में कोताही बरती जा रही है, तो लोगों का आक्रोश जायज है। मैंने मुआयना किया है। प्रशासन और ठेकेदार से मेरा कहना है कि काम की क्वॉलिटी से कोई समझौता नहीं होगा। घटिया काम करने वालों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। -महबूब शेख, पूर्व नगरसेवक

NBT स्मृति यादों के चिराग

श्रद्धांजलि

तृतीय पुण्यतिथि
जन्म लेना भाग्य की बात है, मृत्यु होना समय की बात है। परलोक के पश्चात भी लोगों के दिल में रहना, अपने कर्मों की बात है।

श्रीमती मिथिलेश माता प्रसाद त्रिपाठी
जन्म: 08.12.1962
परलोकगमन: 13.04.2023
आपकी कर्मठशीलता, सरलता, स्नेहमयी मिलनसारिता, संस्कारों के प्रति समर्पण भाव, दयालु व पुण्यमयी स्वभाव हमारे लिए अविस्मरणीय और पथ प्रदर्शक है।
श्रद्धावनत
पति: माता प्रसाद त्रिपाठी
पुत्र-पुत्रवधु: साइनाथ - धृती
पुत्री-दामाद:
वंदना - सुरेंद्र पाण्डेय,
दीपिका - आशुतोष पाण्डेय,
सारिका - अमित मिश्रा
अंश, सान्वी, दित्या,
ईरा, दुर्विशा, काशी, व्योम
व समस्त त्रिपाठी परिवार
पुण्य आत्मा को हम सभी की भावभीनी श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि

तेरहवी पुण्य तिथी
।। ॐ नमः शिवाय ।।

श्रीमती लक्ष्मी नरेशचंद्रजी अग्रवाल
स्वर्गवास १३.०४.२०१३
श्रध्दावनन
पुत्र - पुत्रवधु :
प्रदीप-आभा,
कौशल-स्व. शिखा,
संजय-मीनू
पौत्र-पौत्री :
साथी, हर्ष, हीया, पुत्र
पुत्री-जवाई: सीमा-स्व. अतुल
श्वेता-केवी: रुचि, वंश
फर्म - लक्ष्मी स्टोर्स ॲण्ड फरसाण

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES

५४ वर्षों की अश्रुपूर्ण श्रद्धांजली
स्वर्गीय श्रीमती ललिता तेजेन सेन
पूर्वाश्रम: ललिता आचार्य
१३/१०/१९२९ - १४/११/२०१३
स्वर्गीय श्री. तेजेन अनंत सेन
२/६/१९२० - १३/४/१९७२
दिवंगत आत्माओं की स्मृति में
श्रीमती भारती आत्माराम भोसले (पुत्री)
श्रीमती नीना सचिन बैनर्जी, (पुत्री) स्वर्गीय श्री. नरेश तेजेन सेन (पुत्र)
स्वर्गीय श्री. विजय तेजेन सेन (पुत्र) सभी पौत्र पौत्रियाँ तथा
प्रपौत्र एवं प्रपौत्रियाँ. संपर्क : 9324074600

व्रत त्योहार

आचार्य बाल कृष्ण मिश्र
13 से 19 अप्रैल 2026

13 अप्रैल, सोमवार

■ **वरूथिनी एकादशी व्रत:** हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर वरूथिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। यह व्रत पापों से मुक्ति और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए विशेष माना जाता है। संयोगवश इसी दिन श्री वल्लभाचार्य जयंती भी मनाई जाएगी। साथ ही पंचक का प्रभाव भी विद्यमान रहेगा।

14 अप्रैल, मंगलवार

■ **खरमास समाप्त:** हिंदू पंचांग के अनुसार जब सूर्य मीन राशि में होता है, तब खरमास माना जाता है। 14 अप्रैल को प्रातः 11:45 बजे सूर्य मेष राशि में प्रवेश करेगा, जिससे खरमास समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे सभी मांगलिक कार्य पुनः प्रारंभ हो जाएंगे।

15 अप्रैल, बुधवार

■ **बुध प्रदोष व्रत एवं मास शिवरात्रि:** प्रदोष व्रत प्रत्येक पक्ष में त्रयोदशी तिथि को किया जाता है और इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा का विधान है। बुधवार को होने के कारण इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाएगा। विशेष संयोग यह है कि इसी दिन मासिक शिवरात्रि भी है, जिससे इस दिन का धार्मिक महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। शिव उपासना के लिए यह दिन अत्यंत फलदायी माना जाता है।

17 अप्रैल, शुक्रवार

■ **अमावस्या:** वैशाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि इस दिन रहेगी। अमावस्या को पितरों की तिथि माना जाता है और इस दिन श्राद्ध, तर्पण एवं पितृदोष निवारण के उपाय करना विशेष लाभकारी होता है। कालसर्प दोष एवं पितृदोष की शांति के लिए भी यह दिन उपयुक्त है। साथ ही पंचक का समापन इसी दिन प्रातः 11:17 बजे होगा।

मैंग्रोव काटकर हो रहे अवैध निर्माण की वजह से अग्निकांड: सरनाईक

इंद्रलोक हादसे के बाद अवैध निर्माण और मैंग्रोव कटाई का मुद्दा गरमाया

परिवहन मंत्री सरनाईक ने दिए कार्रवाई के निर्देश

सरनाईक ने कहा, अतिक्रमण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

■ NBT न्यूज, मीरा-भाईंदर

इंद्रलोक में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अवैध निर्माण और मैंग्रोव कटाई का मुद्दा फिर से गरमा गया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आरोप लगाया है कि मैंग्रोव क्षेत्र को काटकर बड़े पैमाने पर अवैध झोपड़ियां खड़ी की गई हैं। उन्होंने कहा कि मनपा प्रशासन और तहसीलदार कार्यालय मूकदर्शक बने हैं। सरनाईक ने कहा कि जिस जमीन पर किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है, वहीं भूमाफियाओं ने अवैध बस्तियां बसाकर गरीब लोगों से किराया वसूल और बुनियादी सुविधाएं भी गैरकानूनी तरीके से उपलब्ध कराई। यही अवैध ढांचा हालिया हादसे का कारण बना, जिसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई। मंत्री ने चेतावनी दी कि मैंग्रोव जैसे संवेदनशील पर्यावरणीय क्षेत्रों में हो रहे अतिक्रमण को अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरनाईक बोले-मनपा, तहसीलदार कार्यालय बने हैं मूक

'अवैध निर्माणों पर चलाए जाएं बुलडोजर'

सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अवैध निर्माणों पर तत्काल बुलडोजर चलाया जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी।

स्टेट अपडेट

दोस्त की हत्या करने वाला पकड़ा गया

■ पीटीआई, जालना : जालना जिले में एक 17 साल के किशोर को अपने 25 साल के दोस्त की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया, लड़के को शक था कि उसका दोस्त उसकी मां के साथ रिश्ते में था। पुलिस के अनुसार, किशोर ने शुक्रवार को शिरसवाड़ी गांव में निखिल वाघमारे पर जानलेवा हमला कर दिया था।

बीड में 11 शराब तस्करों पर कार्रवाई

■ पीटीआई, बीड : बीड जिले की पुलिस ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के मद्देनजर शराब की अवैध बिक्री में शामिल 11 आदतन अपराधियों को कुछ इलाकों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारी ने बताया कि इन लोगों को पेठबीड पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र और बीड तहसील के बड़े इलाके में प्रवेश से रोक दिया गया है।

नदी में नहाने गया युवक डूबा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

■ NBT न्यूज, भिवंडी : भिवंडी के नवी बस्ती का एक युवक पड़घा के पास स्थित खडीली नदी में नहाने गया था। वह नहाते समय नदी के गहरे पानी में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही पड़घा पुलिस और भिवंडी दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। फिलहाल लापता युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

दमकल कर्मियों ने गहरे पानी में की तलाश

नवी बस्ती के गोल्डन बिल्डिंग के पास रहने वाले याकूब मुंशी का बेटा मोईनुद्दीन मुंशी (20) पिछले एक साल से पड़घा स्थित एक गोदाम में काम करता था। रविवार को मोईनुद्दीन हमेशा की तरह काम पर गया था। वहां से वह अपने दोस्तों के साथ पास की खडीली नदी में नहाने के लिए चला गया।

नदी किनारे पहुंचे गांव के लोग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नदी में नहाते समय अचानक मोईनुद्दीन और उसके दोस्त पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए और डूबने लगे। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कुछ लड़कों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन मोईनुद्दीन गहरे पानी में चला गया। दमकल कर्मी और स्थानीय गोताखोर लगातार नदी के गहरे पानी में युवक की खोज कर रहे थे। नवी बस्ती के बड़ी संख्या में लोग नदी के किनारे जमा हो गए।

सूचना लीक मामले में 3 पुलिसकर्मी हुए निलंबित

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: सहार इलाके में देह व्यापार के मामले में पुलिस की मिलीभगत का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। छापेमारी से पहले गोपनीय सूचना लीक करने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

देह व्यापार के मामले में पुलिस की मिलीभगत का खुलासा

विलेपार्ले पुलिस स्टेशन में तैनात कॉन्स्टेबल निलेश शेंडगे के भाई के नाम पर सहार पुलिस स्टेशन की सीमा में एक होटल संचालित किया जा रहा था, जिसे शेंडगे भी संचालित कर रहा था। आरोप है कि सहार पुलिस के एपीआई धनंजय शिंदोले और हवलदार प्रवीण वायंगणकर ने छापे की सूचना पहले ही पहुंचा दी। जांच में पुष्टि के बाद तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

बाजार में आम | मार्केट के व्यापारी ने बताया- मई महीने की शुरुआत में लगभग 80 हजार आम की पेटियां आने की संभावना

APMC में बढ़ी हापुस आम की आवक, 35 हजार से बढ़कर 40 हजार पेटियां पहुंचीं, दाम में भी आई कमी

■ पुरुषोत्तम कनौजिया, नवी मुंबई

एपीएमसी बाजार में इस सप्ताह हापुस आम की आवक में बढ़ोतरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह तक आवक तीस से पैंतीस हजार पेटियां हापुस आम बाजार में आ रही थीं। वहीं, इस सप्ताह यह बढ़कर चालीस हजार पेटियों तक पहुंच गया है। इसके चलते आम की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। एक पेटी में लगभग 36 से 45 आम आते हैं। इसकी बाजार में कीमत पिछले सप्ताह 2000 से लेकर 2200 रुपए प्रति पेटी थी। इस सप्ताह कीमत 1500 से 1800 रुपए प्रति पेटी तक पहुंच गई है।

एपीएमसी बाजार के आम व्यापारी चिन्मय पानसरे ने बताया कि, आम की आवक भले ही बढ़ी हुई दिख रही है, लेकिन पिछले साल की तुलना में अभी भी बहुत कम है। पिछले साल अप्रैल महीने में रोजाना लगभग साठ से पैंसठ हजार पेटी आम आ रहा था, लेकिन इस बार अब जाकर यह संख्या 40 हजार तक पहुंची है। मई महीने की शुरुआत तक बाजार में रोजाना लगभग 80 हजार आम की पेटियां आने की संभावना है, जबकि हर साल मई महीने में रोजाना लगभग एक लाख पेटी आम आता था।

पिछले वर्ष की तुलना में इस साल आम की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण है कि इस साल कोंकण में आम का उत्पादन कम हुआ है। इसलिए कीमतें बढ़ी हैं। उत्पादन खर्च भी काफी बढ़ा है। इसलिए 20 प्रतिशत कीमतें बढ़ने के बावजूद किसानों को उतना फायदा नहीं हो रहा है, जितने की उन्हें उम्मीद थी। किसानों की फसलें बड़े पैमाने पर बर्बाद हुई हैं। कीटाणुओं से आम की फसल बचाने के लिए किसानों ने अनेक प्रकार के केमिकलों का छिड़काव किया था, जिसके चलते उत्पादन खर्च काफी बढ़ गया। फसल में लगे रोग को ठीक करने के लिए औषधियों का छिड़काव करना पड़ा।

एक्सपोर्ट शुरू, भाड़ा अधिक

आम का एक्सपोर्ट मिडिल ईस्ट और अमेरिका समेत कई देशों में शुरू हो गया है, लेकिन हवाई किराया अधिक होने से एक्सपोर्ट बहुत कम हो रहा है। यात्री मिडिल ईस्ट नहीं जा रहे, जिससे प्लेन स्थगित हो रहे हैं। ऐसे में आम एक्सपोर्ट न होने का भी खतरा है, इसलिए व्यापारी भी एक्सपोर्ट करने से पहले सावधानी बरत रहे हैं।

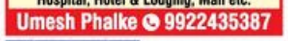

HEALTH & WELLNESS

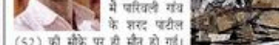

शांति का राज़ीनामा

दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा | **परमाणु, होर्मुज, प्रतिबंध और मुआवजे पर भी हल नहीं निकला**

शर्तों पर टकराव, क्या फिर भड़केगा अमेरिका-ईरान युद्ध?

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे लंबी हाई-स्टेक बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। यह एक दशक से ज्यादा समय में दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी सीधी बातचीत थी, लेकिन अंत में मतभेद इतने गहरे रहे कि कोई साझा रास्ता नहीं निकल पाया। परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट, प्रतिबंध और युद्धविराम जैसे मुद्दों पर टकराव ने बातचीत को पटरी से उतार दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया एक और बड़े युद्ध के करीब पहुंच रही है?

Photos: AP/AFP

Q दोनों देशों के बीच बातचीत क्यों बेनतीजा रही?
इस्लामाबाद में हुई बातचीत की असफलता की सबसे बड़ी वजह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर असहमति रही। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स ने साफ कहा कि अमेरिका को वह भरोसा चाहिए था कि ईरान न सिर्फ अभी, बल्कि लंबे समय तक परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। लेकिन तेहरान इस तरह की स्थायी प्रतिबद्धता देने को तैयार नहीं हुआ। अमेरिका के अनुसार समस्या तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि इरादे की थी।

Q अमेरिका की मुख्य मांग क्या थी?
अमेरिका की सबसे अहम मांग थी कि ईरान स्पष्ट और स्थायी रूप से परमाणु हथियार न बनाने का वादा करे। यह सिर्फ अस्थायी रोक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रतिबद्धता होनी चाहिए थी। जेडी वान्स के मुताबिक, यह ट्रंप प्रशासन का गोल था। अमेरिका चाहता था कि ईरान न सिर्फ हथियार न बनाए, बल्कि उन तकनीकों से भी दूर रहे जो उसे तेजी से परमाणु हथियार विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

Q दोनों देशों के बीच किन मुद्दों पर टकराव हुआ?
बातचीत कई बड़े मुद्दों पर अटक गई। इनमें प्रमुख थे-
■ होर्मुज स्ट्रेट ■ ईरान का परमाणु कार्यक्रम ■ युद्ध के मुआवजे ■ आर्थिक प्रतिबंध ■ युद्ध का औपचारिक अंत।
अमेरिका ने 15-पॉइंट प्रस्ताव दिया, जिसमें परमाणु कार्यक्रम पर सख्त नियंत्रण और स्ट्रेट खोलने की मांग थी। वहीं ईरान ने काउंटर में युद्ध खत्म करने की गारंटी, स्ट्रेट पर नियंत्रण और आर्थिक मुआवजे की मांग रखी। यहीं पर टकराव गहरा गया।

Q अमेरिका की अगली कार्रवाई क्या होगी?
अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत से पहले ही कहा था कि अमेरिका को वैकल्पिक योजना की जरूरत नहीं है। जेडी वान्स इस सवाल का सीधा जवाब देने से बचे। एक्सपर्ट के अनुसार, संकेत मिलता है कि फिलहाल अमेरिका युद्ध को लेकर खुलकर कुछ नहीं कह रहा, लेकिन सैन्य विकल्प पूरी तरह खारिज भी नहीं किया गया है।

1. जब इस्लामाबाद में बैठक चल रही थी तब ट्रंप फाइटिंग चैंपियनशिप UFC 327 इवेंट में शामिल थे।
2. ईरानी डेलिगेशन के अधिकारी ने कहा, गेंद अब US के पाले में है।
3. जेडी वान्स ने कहा, ईरान के साथ 21 घंटे की वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हुई।

Q क्या युद्ध दोबारा शुरू हो सकता है?
एक्सपर्ट के अनुसार, स्थिति नाजुक है। अगर होर्मुज स्ट्रेट पर टकराव होता है, तो संघर्ष फिर से भड़क सकता है। हालांकि, दोनों देशों के लिए एक बड़ा युद्ध आर्थिक और रणनीतिक रूप से भारी पड़ सकता है। इसलिए तनाव और कूटनीति साथ-साथ चलेंगे लेकिन एक छोटी सी चिंगारी भी बड़े टकराव में बदल सकती है।

Q अमेरिका-ईरान एक-दूसरे को क्यों दोष दे रहे हैं?
ईरान का कहना है कि अमेरिका की अवास्तविक और सख्त मांगों ने समझौते को असंभव बना दिया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, उनकी टीम ने 21 घंटे लगातार बातचीत की, लेकिन अमेरिकी पक्ष लचीला नहीं रहा।दूसरी ओर, जेडी वान्स ने कहा कि अमेरिका मिलनसार था, लेकिन ईरान ने उनकी शर्तें मानने से इनकार कर दिया। यानी दोनों पक्ष एक-दूसरे को बातचीत फेल होने का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

Q ईरान का रुख इतना सख्त क्यों है?
विश्लेषकों के अनुसार, ईरान को लगता है कि समय उसके पक्ष में है। उसका मानना है कि युद्ध के मैदान में उसने खुद को कमजोर नहीं होने दिया और अमेरिका पर दबाव बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान को लगता है कि अमेरिका अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने के लिए बातचीत चाहता था। इसलिए तेहरान अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ। होर्मुज स्ट्रेट पर भी ईरान ने साफ किया कि बिना उचित समझौते के वह कोई रियायत नहीं देगा।

Q क्या आगे बातचीत की कोई संभावना है?
इस्लामाबाद वार्ता के बाद ईरान ने फिलहाल नई बातचीत में रुचि नहीं दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरानी टीम ने स्पष्ट कर दिया है कि अगला राउंड तुरंत नहीं होगा। हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने यह जरूर कहा कि कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। फिलहाल दोनों पक्ष पीछे हटते नजर आ रहे हैं।

ईरान को टोल दिया तो होर्मुज़ से गुजरने नहीं देंगे: ट्रंप

■ **एएफपी, वॉशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति** डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बेनतीजा शांति वार्ता के बाद बड़ा कदम उठाते हुए होर्मुज में अमेरिकी नौसेना द्वारा नाकेबंदी शुरू करने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना अब उन सभी जहाजों को रोकेगी जो इस रणनीतिक जलमार्ग में प्रवेश या बाहर निकलने की कोशिश करेंगे।

नाकेबंदी अभियान में अन्य देश भी शामिल हो सकते हैं: ट्रंप

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लैटफॉर्म पर कहा कि तुरंत प्रभाव से अमेरिकी नौसेना होर्मुज में आने-जाने वाले सभी जहाजों की नाकेबंदी शुरू करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईरान इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को लेकर अनिश्चितता पैदा कर रहा है और इसे दुनिया से जबरन वसूली करार दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन जहाजों को भी रोका जाएगा, जिन्होंने ईरान को किसी प्रकार का टोल भुगतान किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज में बिछाई गई माइंस को हटाने और नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी ईरानी तत्व ने अमेरिकी बलों या शांतिपूर्ण जहाजों पर हमला किया, तो उसे कड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। भविष्य में किसी समय सभी जहाजों को स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन फिलहाल ईरान की स्थिति ने इसे संभव नहीं होने दिया है।

‘वार्ता में परमाणु मुद्दा अहम था’

अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता पर ट्रंप ने कहा कि एकमात्र मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम था, जिस पर तेहरान झुकने को तैयार नहीं हुआ। उसी पर सहमति नहीं बन सकी।

> **अगर किसी भी ईरानी तत्व ने अमेरिकी बलों या शांतिपूर्ण जहाजों पर हमला किया, तो उसे कड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।**
> *-डॉनल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, US*

टैक्स तो चुकाना ही होगा: ईरान

■ **NBT रिपोर्ट:** ईरान की संसद के उपाध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए एक अति संवेदनशील सीमा है। इस्लामिक प्रोपेगेशन ऑर्गनाइजेशन से जुड़ी मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक बाबाई का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से ईरान के कब्जे में है और इसका शुल्क रियाल में ही चुकाना होगा। रियाल ईरान की मुद्रा है। इससे पहले अमेरिका की 'सेंट्रल कमांड' ने भी शनिवार को बताया था कि नौसेना के दो विध्वंसक जहाजों ने जलमार्ग को समुद्री सुरंगों से मुक्त कराने के एक बड़े अभियान के तहत होर्मुज को पार किया है। लेकिन ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया है कि ये दोनों जहाज उस इलाके से गुजरे थे। एजेंसी एएफपी ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के हवाले से बताया कि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा है कि किसी भी सैन्य जहाज के होर्मुज से गुजरने की कोशिश का सख्ती से जवाब दिया जाएगा।

दो अमेरिकी जहाजों के गुजरने के दावे को खारिज किया

ईरान को चीन की मदद पर डॉनल्ड ट्रंप सख्त

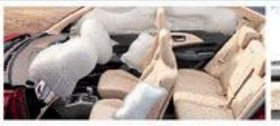

■ **NBT रिपोर्ट: अमेरिकी राष्ट्रपति** डॉनल्ड ट्रंप ने चीन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर चीन ईरान को हथियार सप्लाई करता पाया गया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि किसी भी तरह की सैन्य मदद को अमेरिका अपने हितों के खिलाफ मानेगा और इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और किसी भी संभावित सप्लाई को गंभीरता से ले रहा है। चीन की संभावित भूमिका को लेकर अमेरिकी प्रशासन पहले से ही सतर्क है। ट्रंप ने चीन को धमकी दी है कि अगर वह ईरान की सैन्य मदद करता है, तो उस पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। एक्सपर्ट के अनुसार, ट्रंप की चेतावनी ने संकेत दिया है कि अगर पेइचिंग ने ईरान के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया, तो वैश्विक टकराव की स्थिति गहरा सकती है।

सैन्य मदद पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी दी

File

ट्रंप ने कहा, पूरे घटनाक्रम पर अमेरिका नजर बनाए हुए है।

अभियान अभी खत्म नहीं: नेतन्याहू

इस्राइल के पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। वहीं, सेना प्रमुख ने अपनी सेनाओं को ईरान के साथ युद्ध फिर से शुरू होने की संभावित स्थिति के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है।

सऊदी अरब की पाइपलाइन शुरू

सऊदी अरब ने कहा है कि ईरान के हमलों के बाद प्रभावित हुई उसकी प्रमुख ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन अब फिर से चालू हो गई है। सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, हमलों से नुकसान पहुंचा था, लेकिन अब ये दोबारा काम करने लगी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMTEN User: cci Time: 04-12-2026 23:09 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । मुंबई । सोमवार, 13 अप्रैल 2026

> लगभग हर वार्ता में सबसे कठिन काम होता है उसे भावनाओं से अलग करना और केवल तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ना।
> – हॉवर्ड बेकर, अमेरिकी राजनीतिज्ञ

चिंता बढ़ी

अमेरिका और ईरान के बीच बेनतीजा रही बातचीत ने पूरी दुनिया को फिर से चिंता में डाल दिया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे को इस असफलता के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप के होर्मुज स्ट्रेट की नौसैनिक नाकेबंदी के आदेश से तनाव और बढ़ेगा। दोनों पक्षों को समझौते की कोशिश नहीं छोड़नी चाहिए।

US-ईरान वार्ता बेनतीजा

अविश्वास भरा माहौल । इस्लामाबाद में जिस माहौल में वॉशिंगटन और तेहरान मिले, इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि तुरंत कोई हल निकल आएगा। दोनों के दरम्यान भरोसे की कमी उनके बयानों से स्पष्ट थी। संघर्ष शुरू होने के पहले भी दोनों के बीच बातचीत चल रही थी और उसी दौरान अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में इस बार तेहरान में अविश्वास, अनिश्चितता और आक्रोश भरा हुआ था। फिर, जिन लक्ष्यों के साथ दोनों वार्ता की मेज पर बैठे, उन्हें पाना भी करीब-करीब असंभव था।

संघर्ष का खतरा । अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान से यह गारंटी चाहता है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और होर्मुज स्ट्रेट से पहले की तरह बेरोकटोक आवागमन होगा। परमाणु मसले पर पहले भी गतिरोध था और इस बार भी उस पर सहमति नहीं बन पाई। अब ट्रंप का होर्मुज पर फोकस करना बताता है कि वह तेल-गैस सप्लाई के लिए अहम इस समुद्री मार्ग को ईरानी कब्जे से छुड़ाना चाहते हैं। हालांकि इससे संघर्ष के फिर से बढ़ने का खतरा है।

जिद से समझौता । इस समय दोनों पक्षों को जरूरत है संयम से काम लेने की, वरना सीजफायर के बाद शांति के लिए जो थोड़ी बढ़त हासिल हुई थी, वह गंवा देंगे। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद पहली बार दोनों देशों के बीच बिना किसी मध्यस्थता के, आमने-सामने की और इतनी लंबी बात हुई है। अब इसे आगे बढ़ाने के रास्ते निकालने होंगे। इसके लिए उन्हें पहले अपनी जिद से समझौता करना पड़ेगा। दोनों पक्षों से लचीलेपन की उम्मीद है।

सीजफायर का पालन । बातचीत अभी रुकी है, पूरी तरह असफल नहीं हुई और दोनों पक्ष समझौते पर आगे बढ़ने के मूड में हैं। हालांकि इसके लिए संघर्ष विराम का पालन बेहद जरूरी है। सीजफायर के समय का इस्तेमाल सैन्य जमावड़ा बढ़ाने और युद्ध की तैयारियों के बजाय डिप्लोमेसी में किया जाए। इससे तनाव कम करने और बातचीत के लिए बेहतर माहौल बनाने में मदद मिलेगी। यह भी जरूरी है कि इस्राइल दुनिया की चिंताओं को समझते हुए लेबनान में जारी हमले भी बंद करे। अमेरिका और ईरान को एक-दूसरे पर भरोसा करना होगा, यही दुनिया के हित में है।

नश्तर

सतुआ लेखन

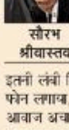

गांव में सत्तू को तुरंत भोजनालय भी कहा जाता है यानी फौरन तैयार हो जाने वाला खाना। खाने का मन हुआ तो सत्तू में कम पानी डाला और गर्मी से तरावट लेने का मन हुआ तो शरबत सरीखा बनाकर पी लिया। लेखकों ने सत्तू की इस खासियत से सीख लेते हुए सतुआ लेखन भी शुरू कर दिया है यानी तुरत-फुरत लेखन।

सौरभ श्रीवास्तव

पिछले दिनों एक लेखिका को साहित्य का बड़ा पुरस्कार मिला। पुरस्कार की घोषणा होने के मुश्किल से आधे घंटे के भीतर ही सोशल मीडिया पर कई लंबी टिप्पणियां पोस्ट हुईं। मैं आश्चर्य के समुद्र में डूबने-उतराने लगा। इतनी लंबी टिप्पणी इतनी जल्दी कैसे? अपने लेखक मित्र को फोन लगाया, 'आप लोग सतुआ लेखन कैसे करते हैं?' उसकी आवाज अचानक भारी हो गई। ऐसा लगा कि वह होर्मुज खोलने का रास्ता बताने जा रहा है। किसी को न बताने की पारंपरिक सौगंध देते हुए उसने कहा, 'देखो, एक सेट पैटर्न है। लेखक की एक-दो मशहूर किताबें उठाओ। उनका फ्लैप देखो। कई लोगों ने टिप्पणियां लिखी होंगी। भूमिका पर सरसरी निगाह फेरो, कुछ पंक्तियां ऐसी मिल ही जाएंगी जिन पर मन अटक जाएगा। बाकी कुछ ऐसे वाक्य कि भाषा बहुत सरल पर अर्थों से भरी हुई है, यथार्थ का सटीक चित्रण, समय पर पूरी पकड़, मनुष्यता के पक्षधर आदि को पिरोना है।

यदि लेखक, लेखिका के निधन का मौका है तो एक युग का अंत हो गया, उनकी जगह हमेशा खाली रहेगी या अपने लिखे शब्दों में वह अमर रहेंगे जैसे वाक्य और जोड़ने हैं, और यदि पुरस्कार मिला है तो तारीफ में जो चाहे लिख दो लेखक खंडन नहीं करेगा, क्योंकि उसे पुरस्कार की रकम और प्रतिष्ठा में दिलचस्पी है, आपकी लिखी टिप्पणी में नहीं। गैरतवाला हुआ तो आपकी लिखी टिप्पणियां अपने चेलों से सोशल मीडिया पर रिपोस्ट करवाएगा। गैरत में घाल-मेल हुआ तो खुद ही कर देगा, इस भाव से भरे हुए मौन के साथ कि देखिए पुरस्कार ठीक ही मिला है बल्कि बहुत देर में मिला है। बस आपका सतुआ लेखन पूरा और मेरा कॉलम भी। अब आप प्रकाशक से आने वाले चेक का इंतजार कीजिए और मैं अगले हफ्ते का, नमस्ते।'

एकदा

संकलन : सुभाष चंद्र शर्मा

स्वाभिमान का सवाल

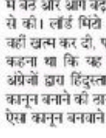

बात उन दिनों की है, जब हमारे देश में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन मजबूत होता जा रहा था। अंग्रेज अपने आप को भारतीयों से श्रेष्ठ मानते थे और उनके साथ खराब व्यवहार करते। एक दिन राजा राममोहन राय पालकी में बैठकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में कलेक्टर हैमिल्टन खड़ा था। उसे देखकर भी राजा राममोहन राय पालकी से नीचे नहीं उतरे, तो हैमिल्टन गुस्से से लाल पीला हो उठा। उसने पालकी रुकवा ली। इस पर राममोहन राय नीचे उतरे और कलेक्टर से पूछा कि क्या बात है? गुस्से से भरे हैमिल्टन ने भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। राजा राममोहन राय बिना कुछ बोले, कलेक्टर की अनदेखी कर वापस में पालकी में बैठे और आगे बढ़ गए। उन्होंने इस बात की शिकायत लॉर्ड मिंटो से की। लॉर्ड मिंटो ने हैमिल्टन को मामूली चेतावनी देकर बात वहीं खत्म कर दी, पर राजा राममोहन राय संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना था कि यह भारत के स्वाभिमान का सवाल है। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा हिंदुस्तानियों से किए जा रहे बुरे बर्ताव के खिलाफ कानून बनाने की ठान ली और बाद में अपने अथक प्रयासों से एक ऐसा कानून बनवाने में सफल भी हुए।

मैदानों का आर्थिक और विकास मॉडल उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों में कारगर नहीं

पहाड़ों पर विकास का मॉडल क्या हो

19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है, लेकिन क्या पहाड़ इसके लिए तैयार है? पहाड़ों पर कभी 'चौमासे' का अर्थ था चारों ओर हरियाली, बादलों की अठखेलियां और रिमझिम फुहारें। जंगल की पगडंडियों पर पैरों से चिपकती जोंक भले ही परेशान करतीं, लेकिन बारिश में धुले वृक्षों से लदे पहाड़ अपनी सुंदरता के चरम पर होते थे। ऐसा नहीं कि तब भूस्खलन नहीं होता था, लेकिन प्रकृति का वह रूप डराता नहीं था। किसी का खेत या घर क्षतिग्रस्त होना दुखद था, लेकिन आज की तरह पूरे के पूरे गांव का अस्तित्व मिट जाना अकल्पनीय था।

हृदयेश जोशी

साझा स्मृति । यह केवल मेरा अनुभव नहीं, बल्कि 80 और 90 के दशक में पहाड़ को जीने वाले हर व्यक्ति की साझा स्मृति है। सवाल उठना लाजमी है कि हमारा हिमालय इतना 'भंगुर' और संवेदनशील क्यों हो गया? पिछले कुछ बरसों में चरम मौसमी घटनाओं और मारक क्षमता में लगातार वृद्धि हुई है। उत्तराखंड में आपदा से होने वाली मौतों में 30% की वृद्धि दर्ज की गई है।

धराली और छेनागाड़ । उत्तराखंड में आपदा की सबसे ताजा घटना पिछले साल अगस्त की है। उत्तरकाशी जिले के धराली में आई बाढ़ में 55 लोगों की जान चली गई। मलबे में पूरे बाजार का दफन होना घाव की तरह हमारी स्मृति में अंकित है। ऐसी ही मार पड़ी रुद्रप्रयाग के छेनागाड़ पर। अंदरूनी क्षेत्र में बसा यह छोटा-सा गांव यहां के लोगों की जीवनरेखा-सा था। क्लाउड बर्स्ट से हुई तबाही ने इसका नामोनिशान मिटा दिया।

राज्य पर संकट । इसरो के भूस्खलन एटलस में उत्तराखंड के सारे जिले देश के संकटग्रस्त जिलों की सूची में हैं। उत्तराखंड सरकार की 'आपदा उपरांत आवश्यकता आकलन' (PDNA) रिपोर्ट के अनुसार, अकेले वर्ष 2025 में राज्य को लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मानकों की अनदेखी । यह सच है कि जलवायु परिवर्तन ने चरम मौसमी घटनाओं को बढ़ाया है, पर विकास के नाम पर वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी ने इस आग में घी का काम किया। पहाड़ों का सीना चीरते बुलडोजर और शांत क्षेत्रों में हेलिकॉप्टरों का शोर इकोलॉजी को भीतर से खोखला कर रहा है।

प्रॉजेक्ट्स का सच । अक्सर चौड़ी सड़कों और मेगा प्रॉजेक्ट्स को रोजगार से जोड़कर देखा जाता है, पर हकीकत इसके उलट है। यह तथाकथित विकास कुछ ठेकेदारों और बड़े होटल मालिकों तक सीमित है। इसका प्रमाण है उत्तराखंड राज्य के तकरीबन पूरी तरह खाली हो चुके 1500 से अधिक गांव, जिन्हें भुतहा (घोस्ट विलेज) कह दिया जाता है।

> **प्रॉजेक्ट बनाम पर्यावरण**
> - उत्तराखंड में आपदा से होने वाली मौतें लगभग 30% बढ़ीं
> - बुनियादी ढांचे पर दबाव डालती है भारी भीड़
> - 2025 में राज्य को 15 हजार करोड़ का नुकसान

भीड़ का असंतुलित प्रवाह । सस्टेनेबल डिवेलपमेंट फॉर कम्युनिटीज फाउंडेशन (SDF) के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में आने वाले 72% तीर्थयात्री मात्र 60 दिनों में अपनी यात्रा पूरी कर लेते हैं। कुल यात्रियों का 11% हिस्सा महज एक सप्ताह में उमड़ पड़ता है। यानी यह 'तीर्थयात्रा' नहीं, बल्कि 'भीड़ का सैलाब' है जो बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव डालता है और फिर बाकी दिन सूनापन रहता है।

स्थानीय की उपेक्षा । तेज रफ्तार वाहन और हेलिकॉप्टर से आने वाले पर्यटक प्लास्टिक और कचरा तो छोड़ जाते हैं, लेकिन स्थानीय अर्थव्यवस्था में उनका योगदान नगण्य रहता है। आपदा आते ही जब होटल खाली होते हैं, तो सबसे ज्यादा मार स्थानीय छोटे कारोबारियों पर पड़ती है।

चाहिए टिकाऊ विकास । उत्तराखंड को तेज रफ्तार नहीं, टिकाऊ विकास की जरूरत है। हिमालयी राज्यों का आर्थिक मॉडल मैदानी राज्यों जैसा नहीं हो सकता। यहां 'सस्टेनेबल' (सतत) दृष्टिकोण अपनाना होगा। कुछ जरूरी कदम उठाए जा सकते हैं। मसलन - पर्यटन का विकेंद्रीकरण हो। भीड़ को कुछ खास महीनों में सीमित करने के बजाय पूरे साल वितरित करना होगा।

इको-टूरिज्म और ट्रेनिंग । माउंटेन ट्रैकिंग, विंटर स्पोर्ट्स और जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। इसमें कमान बाहरी कंपनियों के बजाय स्थानीय समुदाय के हाथों में हो। साथ ही संवेदनशील ढलानों पर निर्माण के सख्त नियम और 'कैरिंग कैपेसिटी' (वहन क्षमता) का निर्धारण अनिवार्य हो। राज्य में प्लास्टिक कचरे का नियंत्रण और सख्ती से कलेक्शन व निस्तारण की योजना होनी ही चाहिए।

सबक का समय । अक्षय तृतीया से चारधाम यात्रा का आगाज होने वाला है। हमें तय करना होगा कि हमें ऐसा पर्यटन चाहिए जो पहाड़ों की शांति भंग करे, या ऐसा जो प्रकृति और संस्कृति के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। यदि हमने अब भी सबक नहीं लिया, तो हिमालय की यह संवेदनशीलता भविष्य में और भी भयावह रूप ले सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ज़िंदगी बदलती है, यही है मौसम की सीख

करीब-करीब तैयारी हो गई थी AC चालू करने की। कई लोगों ने तो कर भी दिया था। मार्च में ही जो तेवर दिखाने शुरू किए थे गर्मी ने, तो चिंता होने लगी थी कि मई-जून में क्या होगा। पंखे की हवा हल्की लगने लगी थी, दोपहर की धूप चुभने लगी थी और लोग अभी से आने वाले महीनों की मुश्किलों का हिसाब लगाने लगे थे।

लेकिन मौसम को शायद अभी कुछ और मंजूर था, उसने अचानक चाल बदली। दिल्ली से लखनऊ तक, रह-रहकर होती बारिश और ठंडी हवाओं ने जो माहौल बनाया, उससे एकबारगी गफलत होने लगी कि यह गर्मी की शुरुआत है या ठंड की वापसी। जो चेहरे कुछ दिन पहले पसीने से चिड़चिड़े थे, उनमें फिर से मुस्कान लौट आई।

थोड़ी-सी मोहलत जो मिली है पसीने से, एसी चालू करने से, कड़ी धूप से - इसने तबीयत हरी कर दी सबकी। मौसम को यूं अपने स्वभाव के विपरीत पलटते देखना और कुछ दिन और ठंड का साथ मिल जाना ऐसा है, जैसे बिन मांगे मुराद पूरी होना। ये कुछ दिन वैसे हैं, जैसे एक के साथ एक फ्री का ऑफर। आप निकले थे इस तमन्ना के साथ कि मार्च में सूरज थोड़ी दया दिखा दे, लेकिन साथ में अप्रैल का पहला पखवाड़ा भी बोनस में मिल गया।

दरअसल इंसान की आदत है कि वह आने वाली परेशानी को आज ही जीने लगता है। जो गर्मी मई-जून में पड़नी है, उसकी चिंता मार्च में शुरू हो जाती है। जो मुश्किल अभी सामने भी नहीं आई, वह मन में पहले ही जगह बना लेती है। हम मौसम से पहले ही हार मान लेते हैं, लेकिन ज़िंदगी बार-बार बताती है कि हर चीज वैसी नहीं होती जैसी हम सोच लेते हैं। यही इस मौसम की पहली सीख है, चिंता अक्सर बेकार होती है। हर चीज का हिसाब पहले से नहीं लगाया जा सकता। ज़िंदगी कोई गणित का सवाल नहीं, जहां हर उत्तर तय हो।

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

वह मौसम की तरह है, अनिश्चित और यही अनिश्चितता उसे रोचक बनाती है। अगर सब पहले से तय होता, तो शायद जीवन इतना सुंदर नहीं लगता।

दूसरी सीख यह है कि जो अच्छा वक्त मिला है, उसे पूरी तरह जी लेना चाहिए। यह सुकून कुछ देर का मेहमान है, लेकिन जब तक है, तब तक इसकी ठीक से खातिरदारी होनी चाहिए। खिड़कियां खोल दीजिए, शाम की हवा महसूस कीजिए, छत पर थोड़ा टहल लीजिए, बिना एसी के सो पाने की खुशी समझिए। हम अक्सर बड़ी खुशियों के इंतजार में छोटी राहतों को नजरअंदाज कर देते हैं। सोचते हैं कि जब सब ठीक होगा तब खुश होंगे, लेकिन 'सब ठीक' कभी होता नहीं। तो तपते दौर में ठंडी हवा का जो झोंका मिला है, उसे जाया मत जाने दीजिए।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.nbt.in

किसी बात पर क्रोध आए तो चुप रहना ही असली ताक़त

मानसी आनंद

कुछ लोग बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाते हैं। जब माहौल गरम हो, शब्द तीखे हों और सामने वाला आपको उकसाने की कोशिश कर रहा हो, तब अगर आप शांत रहते हैं, तो वही मौन सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। यहां यह कहावत सटीक लगती है, 'एक चुप, सौ सुख'। कई बार चुप रह जाना ही सबसे बड़ी समझदारी, सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ी जीत होती है।

जब हम क्रोध में होते हैं या कोई हमें उकसाता है, उस समय तुरंत प्रतिक्रिया देना आसान होता है। लेकिन वहीं रुक जाना, चुप रह जाना ही असली शक्ति है। मौन कमजोरी नहीं, समझदारी और आत्मसंयम का संकेत है। यह दिखाता है कि हमने अहंकार के बजाय संस्कार को चुना है। हमारे शास्त्र भी यही सिखाते हैं। भगवद्गीता में कहा गया है कि जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा विजेता होता है। हर लड़ाई बाहर नहीं लड़ी जाती, कुछ भीतर भी होती है, जहां जीत का मतलब होता है शांत रहना। कई बार जब कोई हम पर आरोप लगाता है या अपमान करने की कोशिश करता है, तो हमें लगता है कि जवाब देना जरूरी है। लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता। कभी-कभी चुप रहना ही रिश्तों को बचा लेता है और हमें उस स्तर तक गिरने से रोकता है, जहां से लौटना मुश्किल हो। क्रोध में बोले गए शब्द वापस नहीं आते। बाद में माफी मांगने से भी हर घाव नहीं भरता। इसलिए समझदारी इसी में है कि बोलने से पहले सोचें- क्या यह उत्तर सच में जरूरी है?

AI Image

कुछ लोग चुप रहने को कमजोरी समझ लेते हैं, लेकिन सच यह है कि मौन भी एक उत्तर होता है और अक्सर सबसे प्रभावशाली। जो लोग अपनी शांति और समय की कीमत समझते हैं, वे हर बहस में नहीं पड़ते। ध्यान से देखिए, जब कोई गुस्से में बोल रहा होता है और सामने वाला शांत रहता है, तो वही शांति दूसरे को असहज कर देती है। यही मौन की ताकत है।

अंत में, हर समस्या का समाधान शब्दों में नहीं होता।

कांटे की बात

> अलेक्जेंडर और मंगोलों के सेनापति भी फारस की खाड़ी का 2500 साल पुराना नाम नहीं बदल सके। इसलिए आपके इसे अरब की खाड़ी कहने से सच्चाई बदल नहीं जाएगी। आप (पीट हेगसेथ) एक कसाई से अधिक कुछ नहीं हैं।

अब्दुलकरीम होसैनजादेह, ईरान के उपराष्ट्रपति

डेटा Window

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) आने से कई IT कंपनियां अपने वर्कफोर्स को रीस्ट्रक्चर कर रही हैं। हाल ही में अमेरिकी IT फर्म Oracle ने 30 हजार कर्मचारियों को निकाल दिया। भारत में भी 12 हजार कर्मचारियों पर असर पड़ा है।

काम छीनने पर नए मौक़े भी दे रहा AI

AI की बढ़ती पैठ
- 80 हजार नौकरी पिछले 3 माह में गईं
- 14% लोग पूरी दुनिया में होंगे बेरोजगार
- 74% के AI के चलते जॉब खोने का डर
- 4.7% महिलाएं, 2.4% पुरुष होंगे दुनिया में प्रभावित
- 8 करोड़ नौकरियां खत्म होने का भय

भारतीयों को फायदा
- 5 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर
- 400 अरब डॉलर का होगा IT सेक्टर
- 200 अरब डॉलर से अधिक का निवेश
- 81% के लिए AI काम में मददगार
- 83% कर्मचारी काम AI को सौंप रहे

भारत में असर
- 2 करोड़ नौकरियां होंगी प्रभावित
- 3.8 करोड़ नौकरियां IT-BPO में जाएंगी
- 50% व्हाइट कॉलर जॉब्स होंगी खत्म
- 74% भारतीयों को AI से लगता है डर

मीम बहार

फार्मा सेक्टर में रिसर्च, रोज़गार और विकास का नया दौर

भारत आज दुनिया की 'फार्मेसी' के तौर पर अपनी पहचान और पुख्ता कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप अब हम जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर नवाचार आधारित वैश्विक शक्ति बनाने की दिशा की ओर अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है, जिससे देश के सभी नागरिक को कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल सकें। सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देकर देश के फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रयासरत है।

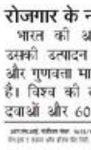

अनुप्रिया पटेल

रोजगार के नए मौके

भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20% जेनेरिक दवाओं और 60% वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सकीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में बजट में घोषित 10,000 करोड़ रुपये की बायोफार्मा शक्ति पहल महत्वपूर्ण है। आंकड़े दर्शाते हैं कि फिलहाल, भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। फार्मास्युटिकल उद्योग 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

रिसर्च-इनोवेशन को बढ़ावा

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसलिए सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, अभी कार्यरत सात NIPER को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, NIPER मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, रायबरेली में नोवल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, गुवाहाटी में फाइटो फार्मास्युटिकल्स और हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरेप्युटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं।

इन संस्थानों का सीधा लाभ मारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और इनोवेटर बनेंगे।

उद्योग-अकादमिक साझेदारी

बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। 2030 तक फार्मा सेक्टर के 30-35% कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए NIPER और उद्योग के बीच 356 MOU पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

युवाओं के लिए रोजगार

कौशल विकास मिशन के जरिये छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा। औषधि क्षेत्र का विकास सकल घरेलू उत्पाद (GDP) बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां एक छात्र अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर बदलाव ला सके। भारत के औषधि क्षेत्र का यह स्वर्णिम युग हमारे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, जो पीएम मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

(लेखिका स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की राज्य मंत्री हैं)

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMARTH User: cci Time: 04-12-2026 21:01 Color:

फटाफट खबरें

पेटेंट आवेदन 1.43 लाख हुए: गोयल

■ भाषा, नई दिल्ली: वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि देश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के कारण पेटेंट आवेदन दाखिल करने की संख्या 2025-26 में 30.2 प्रतिशत बढ़कर 1,43,729 हो गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या 1,10,375 थी। उल्लेखनीय है कि पेटेंट दाखिल करने के मामले में भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा देश है।

फरवरी में कोयला आयात 8.5 % घटा

■ भाषा, नई दिल्ली: देश में घरेलू कोयले के रेकॉर्ड भंडार और समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में मजबूती के कारण फरवरी में भारत का कोयला आयात 8.5 प्रतिशत घटकर 1.65 करोड़ टन रह गया। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार, फरवरी 2024-25 में यह आयात 1.81 करोड़ टन था। वहीं, जनवरी 2026 के 1.66 करोड़ टन के मुकाबले फरवरी में आयात लगभग स्थिर रहा।

TCS: फ्रेशर्स को नौकरी की पेशकश

■ भाषा, मुंबई: देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे कॉलेज स्नातकों की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी।

'कार्बन-प्रधान क्षेत्रों में ऋण से जोखिम'

■ भाषा, नई दिल्ली: कार्बन-प्रधान क्षेत्रों को अधिक कर्ज देने वाले बैंकों को समय के साथ अधिक ऋण जोखिम का सामना करना पड़ सकता है, जिससे निगरानी और वसूली की लागत बढ़ सकती है। IIM लखनऊ के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। संस्थान के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अध्ययन के जरिए यह समझने का प्रयास किया कि कार्बन-प्रधान क्षेत्रों को दिए जाने वाले ऋण का बैंकों की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिति और कार्यकुशलता पर क्या प्रभाव पड़ता है।

ईरान-अमेरिका वार्ता बेनतीजा रहने का दिख सकता है बाजार पर दबाव!

कच्चे तेल की कीमतें, FPI की एक्टिविटी और ग्लोबल मार्केट की चाल पर रहेगी नजर

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम को लेकर पिछले हफ्ते शनिवार को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच हुई 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा रही। इसका असर सोमवार को शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि इस हफ्ते वेस्ट एशिया से जुड़े डेवलपमेंट, कच्चे तेल की कीमतें, महंगाई के आंकड़े, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से भी शेयर बाजार की दिशा तय होगी। यह हफ्ते छुट्टी के कारण छोटा रहेगा, क्योंकि मंगलवार (14 अप्रैल) को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहेंगे।

उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका: लाइवलॉन्ग वेल्थ के रिसर्च एनालिस्ट हरिप्रसाद के ने कहा कि बातचीत विफल होने से निकट अवधि का आउटलुक बदल गया है। बिना किसी समाधान के बातचीत खत्म होने से बाजार में फिर से उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका है, जैसा संघर्ष के शुरुआती चरणों में देखा गया था। उनके अनुसार, सोमवार को प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ खुल सकते हैं।

बड़े गैप-डाउन के साथ खुल सकते बाजार: शेयर बाजार में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिल सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बेंचमार्क इंडेक्स ओपनिंग में बड़े गैप-डाउन के साथ खुल सकते हैं, जिससे हाल में आई तेजी यानी सीजफायर रैली का कुछ हिस्सा खत्म हो सकता है।

इनके आएंगे रिजल्ट: इसके साथ ही चौथी तिमाही (Q4 FY26) के नतीजों का सीजन भी शुरू हो रहा है। इस दौरान Wipro, HDFC Bank और ICICI Bank जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजों पर बाजार की खास नजर रहेगी।

आएंगे महंगाई के आंकड़े: इस हफ्ते निवेशकों की नजर कई अहम आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी।

AI Image

क्यों पैसा निकाल रहे विदेशी निवेशक?

मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, यह लगातार बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि ईरान संकट के चलते मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने भारतीय शेयर बाजार से अप्रैल महीने में भी अपनी बिकवाली जारी रखी है। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते पैदा हुए आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने अप्रैल के पहले 10 दिन में ही 48,213 करोड़ (करीब 5.14 अरब डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का निकासी का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो पिछले 17 माह का उच्चस्तर है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ से अधिक हो चुकी है। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक उन्होंने 48,213 करोड़ निकाले हैं।

FY27 में बाजारः क्या मिलेगा मरहम या बढ़ेगा जोखिम?

गिरावट के बाद कई सेक्टरों में बेहतर वैल्यूएशन के मौके भी

Sudha.Shrimali@timesofindia.com

■ मुंबई: FY26 में गिरावट के बाद निवेशकों की नजर अब FY27 पर है। बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन वैल्यूएशन बेहतर होने से नए मौके भी उभर रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस साल हर शेयर नहीं चलेगा, बल्कि सही कंपनियों का चयन रिटर्न दिला सकता है।

बीता वित्त वर्ष 2026 (FY26) शेयर बाजार निवेशकों के लिए आसान नहीं रहा। बाजार में आई गिरावट, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, वैश्विक तनाव और महंगे कच्चे तेल ने निवेशकों के भरोसे को झटका दिया। ऐसे में अब सभी की नजरें FY27 पर टिकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नया वित्त वर्ष निवेशकों के जख्मों पर मरहम लगाएगा या फिर जोखिम और बढ़ाएगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि FY27 पूरी तरह खराब नहीं होगा, लेकिन यह आसान भी नहीं रहने वाला है। इस साल बाजार का मूड कई बड़े फैक्टर्स पर निर्भर है। HDFC Securities के CEO धीरज रेली के मुताबिक, मौजूदा माहौल VUCA (Volatility, Uncertainty, Complexity and Ambiguity) यानी अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता से भरा हुआ है। ऐसे माहौल में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है, लेकिन सही मौके पहचानने वालों के लिए यही समय सबसे ज्यादा फायदेमंद भी साबित हो सकता है। हालांकि, एक फर्क जरूर आया है। पिछले 18 महीनों में बाजार में जो करेक्शन (गिरावट) आया है, उसने कई शेयरों को महंगे स्तर से नीचे ला दिया है। यानी अब वैल्यूएशन पहले की तुलना में ज्यादा संतुलित नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि निवेशकों के लिए नए मौके भी बन रहे हैं।

धीरज रेली के मुताबिक FY27 में यह साफ संकेत मिल रहा है कि अब बाजार 'स्टॉक पिकर्स मार्केट' बन रहा है। इसका मतलब यह है कि अब हर शेयर नहीं बढ़ेगा। सिर्फ वही कंपनियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी, जिनका बिजनेस मजबूत है और जिनकी कीमत उचित है। इसलिए अब निवेशकों को ज्यादा समझदारी से चयन करना होगा। धीरज रेली का मानना है कि दिवाली के आस-पास मार्केट अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच सकते हैं। Nifty इस साल के आखिर में अपना रेकॉर्ड 26,373.20 तक पहुंच सकता है। उम्मीद है कि घरेलू निवेशक इस रिकवरी की अगुआई करेंगे।

जानकारों का कहना है कि FY27 में बाजार की दिशा चार मुख्य चीजों पर निर्भर करेगी। पश्चिम एशिया का तनाव तेल की कीमतों को प्रभावित करेगा, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ सकती है। विदेशी निवेशकों का रुख बाजार में लिक्विडिटी तय करेगा। रुपये की स्थिति और अमेरिका की नीतियां भी अहम भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा, घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती बाजार को सहारा दे सकती है।

कहां है असली मौके? सेक्टरों को समझें

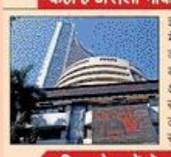

इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल सेक्टर में सरकार के खर्च और प्रोजेक्ट्स के कारण तेजी देखने को मिल सकती है। यह सेक्टर लंबे समय तक ग्रोथ देने की क्षमता रखता है। कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी सेक्टर, यानी ऐसे प्रॉडक्ट्स जिन पर लोग अतिरिक्त खर्च करते हैं, उनमें भी सुधार की उम्मीद है।

किन सेक्टरों में सावधानी जरूरी है?

एनर्जी सेक्टर पर खास नजर रखने की जरूरत है। अगर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका असर कंपनियों की लागत और मुनाफे पर पड़ेगा। तेल महंगा होने का असर सिर्फ एक सेक्टर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे बाजार को प्रभावित करता है।

'इंडेक्स नहीं, सही स्टॉक चुनने से बनेगा पैसा'

HDFC Securities की सालाना रिपोर्ट The Big Review बताती है कि दुनिया में तनाव और अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत स्थिति में है। पूरे बाजार (इंडेक्स) पर दांव लगाने के बजाय ऐसी कंपनियां चुनें, जिनकी ग्रोथ अच्छी हो लेकिन कीमत ज्यादा महंगी न हो। रिपोर्ट के अनुसार इंडस्ट्रियल, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर, रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर में अच्छे मौके दिख रहे हैं, जबकि बैंकिंग, IT, फार्मा और ऑयल-गैस सेक्टर फिलहाल स्थिर यानी संतुलित स्थिति में है। मॉडल पोर्टफोलियो में ऑटो, इंफ्रा, रियल एस्टेट, IT और पावर सेक्टर को जगह दी गई है।

सोने के बदले कर्ज लेने का ट्रेंड बढ़ सकता है: शर्मा

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में कर्ज मिलने की शर्तें सख्त होने के कारण, नकदी की तंगी के समय ग्राहक गोल्ड-बैक्ड लोन (सोने के बदले कर्ज) लेने की ओर रुख कर सकते हैं। यह कहना है कैप्री ग्लोबल कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश शर्मा का। शर्मा ने बताया कि बदले नियमों और रेगुलेटरी बदलावों के बावजूद, कंपनी को ऐसी कोई उम्मीद नहीं है कि सोने की कीमतों में होने वाले सामान्य उतार-चढ़ाव से उसकी रणनीति में कोई बड़ा बदलाव आएगा।

मिडिल ईस्ट में जारी जियोपॉलिटिकल तनाव और 1 अप्रैल, 2026 से भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा लागू किए गए गोल्ड लोन के नए नियमों के बीच, कंपनी FY27 में अपने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में लगभग 30 प्रतिशत की ग्रोथ का लक्ष्य रख रही है। शर्मा ने बताया, 'अगर गोल्ड लोन की कीमतें कम या ज्यादा होती हैं, तो उसका भी असर पड़ता है। हम लगभग 30% की उसी रफ्तार से आगे बढ़ते रहेंगे।'

> "भारत के घरों में मौजूद सोने के कुल भंडार का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही आर्थिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है, जिससे इस क्षेत्र में ग्रोथ की काफी गुंजाइश बनी हुई है। खासकर तब, जब पिछले चार सालों में सोने की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। - राजेश शर्मा, MD, Capri Global Capital

कंपनी के गोल्ड लोन AUMs में पिछले समय में, छोटे बेस पर, तेजी से बढ़ोतरी हुई है। शर्मा ने बताया कि गोल्ड लोन में ग्रोथ को आकार देने में कुछ स्ट्रक्चरल फैक्टर्स अभी भी मौजूद हैं, खासकर जब उधार लेने वाले लोग धीरे-धीरे अनौपचारिक लेंडर्स से हटकर रेगुलेटेड संस्थानों की ओर जा रहे हैं। इसलिए इस कारोबार में लगातार बढ़ोतरी होती रहेगी। कंपनी ने 500 करोड़ रुपये के NCD जारी किया।

'युद्ध भारत के लिए बड़े सुधार का अवसर'

■ एनबीटी, मुंबई: पश्चिम एशिया युद्ध ने भारत की ऊर्जा निर्भरता और कमजोरियों को उजागर किया है। ऐसे में वरिष्ठ अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा का मानना है कि यह समय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े सुधार करने और उद्योगों के लिए बिजली सस्ती करने का सही अवसर है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य और एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा ने कहा कि भारत में एक अजीब स्थिति है। घरेलू उपभोक्ताओं और किसानों के लिए बिजली बेहद सस्ती है। वहीं उद्योग और व्यापार के लिए दुनिया में सबसे महंगी बिजली है। उन्होंने कहा कि अगर देश को तेज आर्थिक विकास चाहिए, तो ऊर्जा की सही कीमत तय करना बेहद जरूरी है।

जापान के सुधारों का उदाहरण: मिश्रा ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को भारत के लिए बड़ा अवसर बताया। उनके मुताबिक, इस संकट के जरिए भारत अपनी ऊर्जा नीतियों में सुधार कर सकता है। इसके लिए उन्होंने 1970 के दशक के तेल संकट के बाद जापान द्वारा किए गए सुधारों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जापान ने अपनी ऊर्जा दक्षता में इतना सुधार किया है कि वह प्रति यूनिट ऊर्जा में भारत की तुलना में चार गुना अधिक जीडीपी पैदा करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेहतर दक्षता तभी आएगी जब हम ऊर्जा के प्राइसिंग रिफॉर्म (मूल्य सुधार) पर काम करेंगे।

रुपये और कच्चे तेल पर चेतावनी: मिश्रा ने अर्थव्यवस्था के लिए एक चिंताजनक संकेत भी दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचती हैं और लंबे समय तक वहीं बनी रहती हैं, तो भारतीय रुपया 100 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को छू सकता है।

क्रिप्टो मार्केट में हलचल हुई तेज

■ एनबीटी: अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल होने के कारण क्रिप्टोकरंसी मार्केट में फिर से गिरावट का दौर शुरू हो चुका है। बिटकॉइन सहित कई क्रिप्टोकरंसियों की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। बिटकॉइन की कीमत 72,000 डॉलर से ऊपर पहुंच गई थी, लेकिन शांति वार्ता को लेकर सहमति नहीं बनने की खबरों ने क्रिप्टो बाजार में फिर गिरावट शुरू कर दी। मार्केट कैप 1.39% की गिरावट के बाद 2.43 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया।

भारत में प्रीमियम ओरल केयर पर फोकस: जैन

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: 'भारत में प्रीमियम ओरल केयर का क्षेत्र पीछे रह गया है और यह स्थिति सिर्फ छोटे शहरों में ही नहीं, बल्कि मेट्रो की भी है। कोलगेट-पामोलिव इंडिया अपनी ओरल केयर की कहानी को सिर्फ साफ-सफाई से आगे ले जाकर नए सिरे से पेश कर रहा है।' यह कहना है कोलगेट-पामोलिव इंडिया के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, गुंजित जैन का। जैन ने बताया कि कोलगेट टोटल की प्रीमियम सेगमेंट में बढ़त का मतलब आम आदमी के ओरल केयर के मिशन से हटना नहीं है, बल्कि उसी का एक विकसित रूप है। जैन ने कहा, 'भारत की ओरल केयर कैटेगरी में हर जगह पैठ होने के बावजूद, कोलगेट को आदतों में अंतर और कम प्रीमियम होने की वजह से ग्रोथ की काफी गुंजाइश दिख रही है। शहरी भारत में, लगभग 80% कस्टमर रात में ब्रश नहीं करते हैं, और ग्रामीण भारत में, 50% से ज्यादा लोग कभी-कभी ही ब्रश करते हैं।

AMITY UNIVERSITY MUMBAI

Brilliant Minds Meet Here.
Amity University Mumbai.

- 400+ Companies, including 16 foreign ones, from countries like Japan, Saudi Arabia, UAE, have visited the campus for placements. Highest CTC offered ₹ 44 Lpa
- Top recruiters in last years include Accenture, Capgemini, TCS, KPMG, Cognizant, Shell, Thomas Cook, Zydus, Marico, BNP Paribhas, JLL, Tata Power, Godrej Properties, Maersk Line...
- ISRO's PSLV-C60 mission (Dec '24) carried Amity University Mumbai's biological payload from the Centre for Excellence in Astrobiology to study plant growth in space
- 7 Centres of Excellence in areas such as Nanoscience & Nanotechnology, Nuclear Biotech, Drug Discovery, Astrobiology and Computational Biology & Translational Research
- 30+ Cutting-edge laboratories and next-gen immersive learning studios & moot court
- Student innovations include Self-Balancing Robots, Human-Powered Vehicles, Go-Karting Cars and Surveillance Robots
- Optional 5-week Study Abroad Program in New York, Singapore, London or Dubai
- Strategic collaborations with Tata Technologies, Drone Entry-Thailand, University of Surrey-USA, Sunbeam-Japan, RICS and CII School of Logistics
- 67 Student start-ups incubated at Amity Incubator including Amara Studio Sphere, Pickit Handicraft, Flics Advertising, Tajani Metal Alloys, Hafsas Collection...
- 39 Research projects undertaken including those funded by CSIR, ICMR, DST, BRNS, DBT, ANRF...
- 280+ Distinguished faculty, scientists & staff shaping the learning experience
- Faculty in world's top 2% scientists list by Stanford Research include 3 members
- Faculty credited with 119 patents & copyrights as well as 391 books & chapters and 1,903 research publications including 1,170 Scopus indexed & 931 by students
- Scopus H-Index 57 of the university reflecting strong research impact

QS Southern Asia Ranking '26 Top 3 in Maharashtra (Pvt) | THE Interdisciplinary Science '26 #1 in Maharashtra (Pvt & Govt) | Week Hansa Research Survey '25 Top 2 in Maharashtra (Pvt) | Guinness World Record '25 Largest Commercial Advertising Production Lesson

Amity University Mumbai-Largest Residential Campus of Mumbai

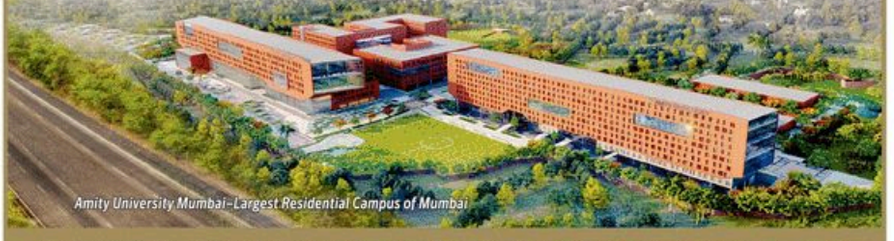

2026 ADMISSIONS OPEN FOR 97+ UG & PG PROGRAMMES IN

- Advertising & PR
- Aeronautics Engg
- Aerospace Engg
- AI & ML
- Animation & Visual Effects
- Applied Sciences
- Architecture
- Astrobiology & Space Sciences
- Automobile Engg
- Banking & Finance
- Bioinformatics
- Biotechnology
- Business Analytics
- Business Psychology
- Cloud Computing
- Commerce
- Computer Sc / IT
- Construction Project Mgmt
- Cyber Security
- Data Sciences
- Defence Technology
- Economics
- Engineering
- English Literature
- Fashion Design & Fashion Communication
- Film Making
- Fine Arts
- French Language
- Interior Des & Planning
- Law
- Liberal Arts
- Logistics & SCM
- Management
- Media & Communication
- Multimedia & Gaming
- Pharmacy
- Planning
- Psychology
- Real Estate & Urban Infrastructure
- Social Work
- Travel & Tourism

- 3 Continent (Study partly in India at Amity and one semester in USA, UK and Canada) and International programmes available in select domains
- Lateral entry & Ph.D programmes also offered
- Bus service available from various key locations
- AC hostel facility available
- NSS & NCC camp on campus
- Student special interest clubs like Ami Uncut (Drama), Amity Art, Ami Sports, Amity Film Club, Ami Digital Media Club, Snap Squad (Photography)...

Scholarships	100%	50%	25%
Programmes after Class 12			
Class 12 (agg.)	93%	88%	75%
Programmes after UG (Non-MBA)			
Class 12 (agg.)	93%	88%	-
Graduate (agg.)	80%	75%	-
MBA			
CAT/MAT (%ile)	90	85	75
GMAT/GRE (Score)	650/161	600/157	450/149

For details check the website

APPLY AT : amity.edu/mumbai
BY : 18TH APRIL 2026
CALL : 7303-396-396

AMITY UNIVERSITY MUMBAI, MUMBAI-PUNE EXPRESSWAY, POST-SOMATHNE, MMR | E: admissions@mum.amity.edu

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMEDIT User: cci Time: 04-12-2026 23:10 Color:

1933-2026

किसी नज़र को तेरा इंतज़ार
आज भी है, कहां हो तुम कि…

इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है

चेस्ट इंफेक्शन के चलते आशा भोसले ने 92 साल की उम्र में रविवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बाद ना सिर्फ म्यूज़िक के चाहने वालों में, बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई:

अभी न जाओ छोड़ कर, ये दिल अभी भरा नहीं

चुरा लिया है तुमने जो दिल को
कहीं आग लगे लग जावे
पिया तू अब तो आजा

Rekha.Khan@timesofindia.com

'मैं फिल्म लाइन की आखिरी मुगल हूं', सुरों की मलिका आशा भोसले ने जब यह कहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वे एक दिन संगीत की दुनिया को यूं दर्द भरे सन्नाटे में छोड़ जाएंगी। करीब दो साल पहले, 91 की उम्र में दुबई के लाइव कॉन्सर्ट में 'दम मारो दम' गाकर उन्होंने न सिर्फ दर्शकों को झुमाया, बल्कि विकी कौशल के मशहूर 'तौबा तौबा' स्टेप से सभी को मंत्रमुग्ध भी कर दिया था।

खुली किताब सी थी ज़िंदगी

सुरों की मलिका आशा भोसले से हमारी तीन-चार मुलाकातें रहीं और हर मुलाकात यादगार। पहली ही मुलाकात में उन्होंने चौंका दिया था। दरवाजे की घंटी बजाने पर उन्होंने खुद दरवाजा खोला-सादी पीली साड़ी में एक बेहद सरल, घरेलू स्त्री। उनकी शहद-सी मीठी आवाज में 'आइए' सुनकर लगा, कोई इतना सच्चा, सरल, बिंदास और प्रतिभाशाली कैसे हो सकता है। अपने हाथ की चाय की मीठी चुस्कियों के साथ उन्होंने अपने जीवन के कड़वे पल भी साझा किए थे। उन्होंने कहा था, 'मेरी ज़िंदगी एक खुली किताब रही है। मैंने कभी खुद को परदे के पीछे नहीं रखा, न ही किसी तरह का भेदभाव किया, शायद यही वजह है कि लोग मुझे अपना मानते हैं।'

'इसे तो लड़की नहीं लड़का होना चाहिए था'

8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र में जन्मी आशा भोसले का जन्म संगीतमय परिवार में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक जाने-माने अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। संगीत विरासत में मिला, मगर आशा को संगीत से ज्यादा खेलकूद में रुचि थी। उन्होंने बताया था, 'मेरे पिताजी संगीत के महारथी थे और भाई-बहन भी संगीत प्रेमी। पिताजी मुझे संगीत की तालीम देने की कोशिश करते, मगर मैं तो खेलकूद और घर के कामों में मग्न रहती। हमारे स्कूल में एक मास्टरनी थे, वह जब भी मुझे और दीदी को साथ गाने के लिए कहते, मैं भाग जाती थी। मेरे घर वाले और आस-पड़ोस के लोग मुझे बुद्धू, पठान, पहलवान जैसे नामों से बुलाते थे। मां तो कई बार कहतीं, गलती से मेरे घर में लड़की पैदा हो गई, इसे तो लड़का होना चाहिए था।'

100 रुपए थी पहले गाने की फीस

आशा ने 13 साल की कच्ची उम्र में परिवार के खिलाफ जाकर खुद से 15 साल बड़े गणपतराव भोसले से शादी की। मगर उसके बाद उनकी ज़िंदगी आसान नहीं रही। उन्होंने बताया, 'गायिका बनने के बारे में तो मैंने सोचा ही नहीं था। मगर घर की खस्ता हालत पर भोसले साहब ने ही मुझे गाने के लिए प्रेरित किया। दरअसल शादी के बाद दिक्कतें बढ़ गई थीं। हम लोग बोरीवली में रहा करते थे, उस ज़माने में लक्ष्मी, मिनर्वा, मूवी टोन जैसे फेमस स्टूडियोज घर से बहुत दूर थे। काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। मुझे याद है कि अपनी पहली कमाई, जो मुझे सावन आया सावन आया के लिए मिली थी, वह थी 100 रुपए। मैंने वह पैसे अपने पति भोसले साहब के हाथों में रखे थे।' अपनी शादी में आशा ने ज़िल्लतें भी प्रताड़ना और अवहेलना सही हों, मगर मातृत्व उनकी ज़िंदगी में खुशी का चमचमाता नगीना था। उन्होंने कहा था, 'मां बनना मेरी सबसे बड़ी खुशी थी और उस खुशी के बाद मैंने भोसले साहब के दिए हुए सारे दुःख माफ कर दिए थे।'

हर तरह के गानों में थीं माहिर

ओपी नैयर और एसडी बर्मन के साथ उनका जादू सिर चढ़कर बोला। नया दौर (1957) के जरिए इस जोड़ी ने एक इतिहास रच दिया, 'उड़े जब-जब जुल्फें तेरी' जैसे गानों ने आशा को पहली बार फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की आवाज बनाया और उन्हें बीआर चोपड़ा जैसे बड़े कैंप का हिस्सा बना दिया। उसी साल (1957) संगीतकार एसडी बर्मन और लता मंगेशकर के बीच हुए मनमुटाव ने आशा के लिए सफलता के नए दरवाजे खोल दिए। सचिन देव बर्मन, किशोर कुमार, आशा भोसले और मजरूह सुल्तानपुरी की चौकड़ी ने हिंदी सिनेमा में रूमानी और चुलबुले गीतों का नया दौर शुरू किया। 'अच्छा जी मैं हारी' जैसे गीतों से लेकर 'नज़र लागी राजा तोरे बंगले पर' जैसे ठुमरी-आधारित गीतों तक उन्होंने उनकी प्रतिभा को उभारा। आरडी बर्मन ने संगीत में पाश्चात्य मिजाज को पिरोया, तो आशा ने उस संगीत में बेबाक कशिश और आजाद ख्यालों के नए रंग भरे।

विवादों से भी रहा नाता

विवाद और आशा का भी चोली-दामन का साथ रहा। ओपी नैयर के साथ उनकी नज़दीकियां, आरडी बर्मन के साथ उनकी शादी और निधन के बाद विरासत को लेकर हुई कॉन्ट्रोवर्सी हो या फिर उनके गानों पर लगा बैन (दम मारो दम) हो, वह हर बार चुनिंदा साबित हुईं। उनका कहना था, 'गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुई हैं, पर मेरा नाम कई झूठे विवादों में भी घसीटा गया। मैं उसकी परवाह नहीं करती। मैंने देखा है कि महिलाओं को लोग आसानी से जज कर लेते हैं। इसलिए मैं किसी महिला के बारे में कुछ भी बोलने से पहले सोचती हूं कि पता नहीं वह किन हालातों से गुजरी होगी।'

लता और आशा की प्रतिस्पर्धा

आशा भोसले और लता मंगेशकर जैसी दो महान बहनों की आपसी प्रतिस्पर्धा किसी से भी छिपी नहीं थी। दोनों बहनों की इस प्रतिस्पर्धा पर उन्होंने सादगी से बताया था, 'देखिए, चांद पर पहली बार एक साथ दो लोग उतरे थे, नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन, मगर लोग पहले नाम को याद रखते हैं, जिसने पहले कदम रखा।'

अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ आशा भोसले

'मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी' कहकर चली गईं आशा

आशा भोसले को म्यूज़िक से इतना प्यार था कि अपने आखिरी सालों में भी उन्होंने गानों को अपनी आवाज दी। उनका आखिरी गाना द शैडोई लाइट इसी साल रिलीज हुआ जो उन्होंने ब्रिटिश वर्चुअल बैंड गोरिल्लाज के साथ गाया था। उन्होंने मार्च में सोशल मीडिया पर इसकी एक तस्वीर साझा की और उसके साथ लिखा था, 'द शैडोई लाइट' गाना मेरे लिए बहुत गहरा अर्थ रखता है। वाराणसी में नदी गंगा के किनारे यात्रा करते हुए, जो कुछ मैंने देखा, उसी करीब से समझने पर मुझे जीवन का अर्थ समझ आया कि मैं कौन हूं और इस धरती पर मुझे क्या करना चाहिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'द शैडोई लाइट' में इस गहरी नदी को पार करना मेरे जीवन के सफर को दर्शाता है। इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की इस नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है और जब मैं दूसरे किनारे पर पहुंचूंगी, तो मेरा सफर पूरा हो जाएगा। मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी, जहां मैं उन हजारों ध्वनियों में एक हो जाऊंगी, जो हमारे चारों ओर हर समय रहती हैं। अगर आप उन ध्वनियों को एक साथ जोड़ दें, तो वे एक सुंदर धुन बनाती हैं। मैं भी उन ध्वनियों में एक बन जाऊंगी।'

Photos: asha.bhosle

यह फोटो आशा भोसले ने मार्च में अपने सोशल मीडिया पर अपलोड की थी

उस्ताद अली अकबर खान के साथ एल्बम लेगेसी में बेहतरीन काम के लिए 1997 में आशा भोसले को ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन मिला था

उपलब्धियां

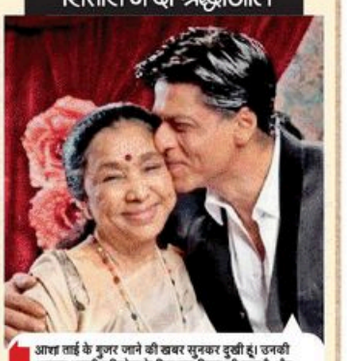

- पद्म विभूषण (2008)
- दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड (2000)
- 2 राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड
- 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स
- 18 महाराष्ट्र फिल्म अवॉर्ड्स
- दो बार ग्रैमी में नॉमिनेशन
- 12 हजार से ज्यादा गानों के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में नाम

सितारों ने दी श्रद्धांजलि

आशा ताई के गुजर जाने की खबर सुनकर दुखी हूं। उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के लिए एक पिलर की तरह है और सदियों तक गूंजती रहेगी। उनमें ऐसी प्रतिभा थी जिनका असर कई लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने हमेशा मुझे प्यार और आशीर्वाद दिया है। मैं उन्हें याद करूंगा। - शाहरुख खान

आशा भोसले जी के निधन से मुझे जो क्षति हुई है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी सुरीली आवाज हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेगी। - अक्षय कुमार

कुछ चोट ऐसी होती हैं जिनके लगने पर लगता है कि आपके बचपन, आपके घर और आपकी यादों का एक हिस्सा खो गया। बहुत लोगों के लिए आशा जी वह थीं। - प्रियंका चोपड़ा

- एक ऐसी आवाज जिसने पीढ़ियों को परिभाषित किया। आशा जी की विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी। ओम शांति। - अनुष्का शर्मा

भारतीय संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति। आशा जी के निधन की खबर सुनकर दिल टूट गया है। एक ऐसी आवाज जिसकी जगह कोई नहीं ले पाएगा। आपके गाने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। - सलमान खान

- कुछ आवाजें ऐसी होती हैं जो पूरे दौर को परिभाषित करती हैं और फिर आती हैं आशा जी। एक ऐसी लेजेंड जिन्होंने कई पीढ़ियों, जॉनर और भावनाओं को अपनी आवाज से सजाया। आज दुनिया थोड़ी खामोश है। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे आशा जी। - अनिल कपूर

आशा जी और उनकी आवाज हमेशा हमारे साथ रहेगी। ओम शांति। - सनी देओल

ब्रेट ली ने भी गाया था आशा संग गाना

साल 2007 में आशा भोसले ने एल्बम आशा एंड फ्रेंड्स के लिए एक खास गाना 'यू आर द वन फॉर मी' रिकॉर्ड किया। इस गाने में क्रिकेटर ब्रेट ली उनके साथ थे, जो उस दौर के सबसे फेमस बॉलर्स में शुमार थे। गाने में ब्रेट ली ने हिंदी में भी लाइन गाई, 'हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा' जो आज भी इस गाने की सबसे यादगार लाइन मानी जाती है। तब ब्रेट ली ने उन्हें बेहद विनम्र महिला बताया था।

दम मारो दम गाना आशा भोसले ने ही कहकर फिल्म में रखवाया

फ़िल्म हरे रामा हरे कृष्णा के गाने 'दम मारो दम…' आशा जी के जीवन का अहम गाना था। लेकिन यह गाना लगभग फिल्म से हटा ही दिया गया था। 'मोमेंट्स इन टाइम' सीरीज में आशा भोसले ने बताया था कि आशा भोसले ने यह गाना रिकॉर्ड किया। लेकिन दो दिन बाद पंचम दा (आरडी बर्मन) ने फोन करके बोला कि यह गाना फिल्म से हटा दिया गया है। ये बात सुनते ही आशा जी निर्देशक के घर चली गईं। उन्होंने उनसे कहा कि ये गाना आप प्लीज मत हटाइए। आशा जी के बार-बार कहने पर निर्देशक बोले, आप कह रही हैं तो मैं गाना रख लेता हूं। इस तरह ये गाना लोगों तक पहुंच सका।

आशा भोसले ने अपना अंतिम गाना इसी साल गोरिल्लाज के साथ गाया

जब आशा ताई ने खुद को बताया फिल्म लाइन की 'आखिरी मुगल'

एक शो के दौरान आशा जी ने लता मंगेशकर का जिक्र करते हुए कहा था, 'एक दिन लता दीदी ने कहा था कि सब गायक चले गए, किशोर (गायक किशोर कुमार) चले गए, रफी (मोहम्मद रफी) साहब चले गए, मुकेश भाई (म्यूज़िक डायरेक्टर) चले गए, अभी हम दोनों आखिरी मुगल रुके हैं। उस दिन (लता जी के निधन के बाद) मैंने दीदी को कहा कि तू भी चली, अब मैं आखिरी मुगल हूं। अब उस ज़माने की मैं आखिरी मुगल हूं। 1943 में मैंने पहला गाना गाया था और आज तक मैं गा रही हूं और मैं आखिरी मुगल हूं।'

आशा भोसले के सुपरहिट गाने

आशा भोसले ने 20 से ज्यादा भाषाओं में 12 हजार से ज्यादा गाने गाए। इसके लिए 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में शामिल हुआ।

- मांग के साथ तुम्हारा (नया दौर, 1957)
- आइये मेहरबां (हावड़ा ब्रिज, 1958)
- अभी न जाओ छोड़कर (हम दोनों, 1961)
- ओ हसीना ज़ुल्फों वाली (तीसरी मंज़िल, 1966)
- दम मारो दम (हरे रामा, हरे कृष्णा, 1971)
- पिया तू अब तो आजा (कारवां, 1971)
- चुरा लिया है तुमने जो दिल को (यादों की बारात, 1972)
- ये मेरा दिल यार का दीवाना (डॉन, 1978)
- दिल चीज़ क्या है (उमराव जान, 1981)
- तन्हा तन्हा (रंगीला, 1995)
- दिल ले गई ले गई (दिल तो पागल है, 1997)
- कहीं आग लगे लग जावे (ताल, 1999)
- राधा कैसे न जले (लगान, 2001)
- दिल के बदले सनम (क्यों की)

एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान स्टूडियो में आशा भोसले

लता मंगेशकर ने बहन आशा के साथ मिलकर यादगार गाने दिए

मेरा नाम जोकर की रिकॉर्डिंग करती आशा

लो मेरा प्यार ले लो की रिकॉर्डिंग करते पंचम दा, प्रेम चोपड़ा के साथ आशा

गाने की रिहर्सल करते किशोर कुमार, आशा और पंचम दा

म्यूज़िक डायरेक्टर आरडी बर्मन के साथ आशा भोसले

2017 में दिल्ली स्थित मैडम टुसॉड्स म्यूज़ियम में आशा भोसले का मोम का पुतला लगाया गया जिसका उद्घाटन खुद उन्होंने किया

38*

रन बनाए थे क्रिस मॉरिस ने नौ गेंदों में 422.22 स्ट्राइक रेट से, दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ साल 2017 के एक IPL मैच में। यह IPL की एक पारी में कम से कम 25 रन बनाने वाले बैटर्स के बीच बेस्ट स्ट्राइक रेट है

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. IPL की एक पारी में बेस्ट स्ट्राइक रेट का रेकॉर्ड किस प्लेयर के नाम है?
A) आंद्रे रसेल B) क्रिस गेल C) एबी डीविलियर्स D) क्रिस मॉरिस

2. वैभव सूर्यवंशी IPL-19 में कितने रन बना चुके हैं?
A)190 B)200 C)199 D)195

कल के जवाब
1. A) 1 2. A) 7

लकी WINNER

1. बलबीर सिंह, गाजियाबाद, यूपी
2. कुसुम भट्ट, द्वारका, दिल्ली
3. शेखर, लुधियाना, पंजाब

अब आप अपने जवाब हमें
!!!!अलर्ट!!!!!
8796958780
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

झारखंड को खिताब

■ **रांची:** झारखंड ने डिविजन 'ए' के फाइनल में मध्य प्रदेश को 2-1 से हराकर हॉकी इंडिया सब जूनियर विमिंस नैशनल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में ओडिशा ने उत्तर प्रदेश को 4-2 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

इंटर काशी की जीत

■ **कोलकाता:** मोहम्मद आसिफ के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत इंटर काशी ने इंडियन सुपर लीग में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से इंटर काशी आठ मैच में 11 अंक के साथ तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। मोहम्मडन सबसे निचले स्थान पर है।

घरेलू मैदान पर गुजरात से हारी लखनऊ की टीम

कृष्णा के साथ गिल के 'जोश' से जीते टाइटंस

■ आशीष राजपूत

लखनऊ: प्रसिद्ध कृष्णा (4/28) की सटीक पेस बोलिंग के बाद शुभमान गिल (56 रन, 40 बॉल, 6 फोर, 1 सिक्स) और जोस बटलर (60 रन, 37 बॉल, 11 फोर) की 84 रन की सूझबूझ भरी पार्टनरशिप की बदौलत गुजरात टाइटंस (GT) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को सात विकेट से शिकस्त दी। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ ने गुजरात के खिलाफ 164/8 का स्कोर बनाया। गुजरात ने काफी संभलकर लक्ष्य का पीछा किया और आठ गेंद बाकी रहते 18.4 ओवर्स में मंजिल हासिल कर ली। यह गुजरात की चार मैचों में लगातार दूसरी जीत है।

नहीं आया कोई बड़ा स्कोर: इससे पूर्व, लखनऊ को पारी का पहला झटका कागिसो रबाडा ने दिया। उन्होंने मैच के दूसरे ओवर में ही मिचेल मार्श (11 रन) को पवेलियन भेज दिया। कप्तान ऋषभ पंत (18 रन) भी पावरप्ले के भीतर आउट हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज (1/19) ने अपनी लेंथ-बॉल पर फंसाया। एडेन मार्करम ने (30 रन) पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें किसी का सहयोग नहीं मिला। निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके।

सूझबूझ भरी साझेदारी: लक्ष्य का पीछा करने उतरे गुजरात को कप्तान गिल और साई सुदर्शन (15) ने तेज शुरुआत दी। पांच ओवर्स में 45 रन बन चुके थे। दिग्वेश राठी ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में साई आउट किया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। इसके बाद, गिल को बटलर का साथ मिला और दोनों ने मिलकर 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। अंत में वॉशिंगटन सुंदर (21*) और राहुल तेवतिया (10*) ने जीत सुनिश्चित की।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बटलर एलीट लिस्ट में शामिल

बटलर ने अपनी पारी के दौरान IPL में अपनी 27वीं फिफ्टी पूरी की। वह उनके टी20 करियर की 100वीं फिफ्टी भी थी। वह टी20 क्रिकेट में 100 फिफ्टी जमाने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं। उनके अलावा डेविड वॉर्नर और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। बटलर के टी20 में 14000 रन भी पूरे हो गए हैं। वह टी20 में ऐसा करने वाले पांचवें बैटर हैं।

स्कोरकार्ड

LSG: एडेन मार्करम कॉ वॉशिंगटन बो कृष्णा 30, मिचेल मार्श कॉ गिल बो रबाडा 11, ऋषभ पंत कॉ तेवतिया बो सिराज 18, आयुष बडोनी कॉ फिलिप्स बो कृष्णा 9, निकोलस पूरन कॉ शुभमन बो कृष्णा 19, अब्दुल समद कॉ फिलिप्स बो अशोक 18, मुकुल चौधरी कॉ बटलर बो कृष्णा 18, जॉर्ज लिंडे कॉ सुदर्शन बो अशोक 16, मोहम्मद शमी नॉट आउट 12, आवेश खान नॉट आउट 4 रन **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 20 ओवर्स में आठ विकेट पर 164 रन **विकेट:** 1-14, 2-45, 3-69, 4-74, 5-109, 6-118, 7-131, 8-157 **बोलिंग:** मोहम्मद सिराज 4-0-19-1, कगिसो रबाडा 4-0-54-1, राशिद खान 4-0-25-0, अशोक शर्मा 4-0-32-2, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-28-4

GT: साई सुदर्शन कॉ आवेश खान बो राठी 15, शुभमन गिल कॉ पंत बो प्रिंस 56, जोस बटलर कॉ मार्करम बो शमी 60, वॉशिंगटन सुंदर नॉट आउट 21, राहुल तेवतिया नॉट आउट 10 रन **एक्स्ट्राज:** 3 रन **टोटल:** 18.4 ओवर्स में तीन विकेट पर 165 रन **विकेट:** 1-45, 2-129, 3-135 **बोलिंग:** मोहम्मद शमी 4-0-36-1, प्रिंस यादव 4-0-31-1, दिग्वेश राठी 4-0-31-1, जॉर्ज लिंडे 3-0-28-0, आवेश खान 2-0-24-0, एडेन मार्करम 1.4-0-15-0

सॉल्ट, रजत, विराट की रॉयल इनिंग्स

मुंबई में RCB ने बनाया अपना बेस्ट स्कोर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/मुंबई:** ओपनर फिल सॉल्ट (78 रन, 36 बॉल, 6 फोर, 6 सिक्स) और कप्तान रजत पाटीदार (53 रन, 20 बॉल, 4 फोर, 5 सिक्स) की तेज फिफ्टी के साथ विराट कोहली की 50 रन की एंकर पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े पर अपना हाइएस्ट टोटल (240/4) बनाया। इससे पहले साल 2015 में उसने इस मैदान पर 235/1 का अपना रेकॉर्ड टोटल बनाया था।

RCB vs MI
मैच नंबर-20

फिल ने दिए शुरुआती जख्म: पिछले दो वर्षों के दौरान टी20 फॉर्मेट में नए अंदाज में दिखे विराट ने पहले ओवर में अटैक पर आए ट्रेंट बोल्ट पर शानदार सिक्स के साथ टीम की बाउंड्री का खाता खोला। इसके बाद उनके साथी ओपनर सॉल्ट ने तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी संभाली। इस जोड़ी को तोड़ने के लिए मुंबई ने पावरप्ले में ही जसप्रीत बुमरा से दो ओवर्स करवाए, लेकिन सफलता नहीं मिली। फिल ने पावरप्ले में बोलिंग के लिए मिचेल सैंटनर के ओवर में 22 रन बटोरकर इसे उनके टी20 करियर का दूसरा सबसे महंगा ओवर बना डाला। पावरप्ले में RCB के खाते में 71 रन आ चुके थे, जिसमें विराट के नाम 14 बॉल पर 22 रन रहे, जबकि सॉल्ट ने 22 बॉल पर 47 रन ठोके। सॉल्ट ने फिर 25 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी की। टीम का टोटल भी 8.4 ओवर्स में तीन अंकों में पहुंच गया। RCB की ओर से यह 16वीं ओपनिंग सेंचुरी पार्टनरशिप थी।

पाटीदार ने घाव किया गहरा: शार्दुल ठाकुर ने 11वें ओवर में अटैक पर आकर शतक की ओर बढ़ रहे सॉल्ट को आउट करके 120 रन की साझेदारी तोड़ी। हालांकि, फिल ने मुंबई को जो जख्म दिए थे उन पर नमक छिड़कने का काम कप्तान रजत पाटीदार ने किया। उन्होंने आते ही मयंक मार्कंडे पर तीन लगातार सिक्स के साथ अपनी पारी का आगाज किया। लगातार बाउंड्री लगाते हुए रजत 11 बॉल पर 44 रन पर पहुंच गए थे। वह IPL की सबसे तेज हाफ सेंचुरी से सिर्फ एक सिक्स दूर थे, लेकिन इस कमाल से वह चूक गए। उन्होंने 17 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। दूसरी ओर शुरुआत तेज करने वाले विराट की पारी धीमी हो चली थी और उन्होंने कुल 37 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। वह अपने रन रेट को सुधारते इससे पहले ही अगली गेंद पर आउट हो गए। पाटीदार भी 16वें ओवर की अंतिम गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद टीम की रनगति धीमी हो गई।

12वीं बार हाफ सेंचुरी पार्टनरशिप की है RCB के ओपनर्स ने 2024 से। यह इस दौरान किसी भी अन्य टीम के मुकाबले ज्यादा है

स्कोरकार्ड

RCB: फिल सॉल्ट कॉ हार्दिक बो शार्दुल 78, विराट कोहली कॉ सूर्यकुमार बो हार्दिक 50, रजत पाटीदार कॉ तिलक बो सैंटनर 53, टिम डेविड नॉट आउट 34, जितेश शर्मा एलबीडब्ल्यू बो बोल्ट 10, रोमारियो शेफर्ड नॉट आउट 2 **एक्स्ट्राज:** 13 **टोटल:** 20 ओवर्स में चार विकेट पर 240 रन **विकेट:** 1-120, 2-185, 3-194, 4-231 **बोलिंग:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-50-1, हार्दिक पंड्या 4-0-39-1, जसप्रीत बुमरा 4-0-35-0, मिचेल सैंटनर 4-0-43-1, मयंक मार्कंडे 2-0-40-0, शार्दुल ठाकुर 2-0-32-1

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

आयुष का ड्रीम रन सिल्वर पर थमा

■ **एजेंसियां, निंगबो (चीन):** भारत के आयुष शेट्टी का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में ड्रीम रन सिल्वर मेडल पर थम गया। संडे को हुए फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उन्हें 8-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष हार के बावजूद दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय मेंस सिंगल्स खिलाड़ी बने। खन्ना इस प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने 1965 में यह खिताब जीता था।

आयुष शेट्टी

रॉयल्स को रोकने उतरेगा SRH

■ **एजेंसियां, हैदराबाद:** राजस्थान रॉयल्स (RR) आज उप्पल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य मेजबान टीम के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को खत्म करना होगा। दोनों के बीच पिछले पांच मुकाबलों में से चार में सनराइजर्स ने जीत दर्ज की है और साल 2023 के बाद से राजस्थान उसको नहीं हराया है। हालांकि, इस सीजन रॉयल्स ने दबदबा जमाते हुए अब तक अपने चारों मैच जीते हैं। इस जीत में क्रिकेट की दुनिया के नई सनसनी वैभव सूर्यवंशी का बड़ा योगदान रहा है। वह चार पारियों में 200 रन बना चुके हैं। दूसरी ओर, हेनरिक क्लासेन के अलावा अभिषेक शर्मा सहित SRH के अन्य बैटर्स निरंतरता से रन नहीं बना पाए हैं।

SRH vs RR
मैच नंबर-21

राजस्थान के बैटर वैभव

वैशाली टॉप पर मज़बूत

■ **एजेंसियां, पाफोस:** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने विमिंस कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट के 11वें राउंड में रूस की अलेक्सांद्रा गोरयाचकिना को मात देकर टॉप पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। वैशाली की यह चौथी जीत थी और 11 मुकाबलों में अब उनके नाम सात अंक हो गए हैं। इस जीत के साथ वैशाली ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी अन्ना मुजीचुक और तिनेर झू पर भी बढ़त बढ़ा दी। ओपन वर्ग में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंदा के नाम 4.5 अंक हैं और वह खिताबी दौड़ से बाहर हो चुके हैं।

चेस बोर्ड

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली

आरित, शिविका का कमाल

नई दिल्ली: दिल्ली के 10 वर्षीय आरित कपिल ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम दौर में ऑस्ट्रेलिया के रैमुअल अरावा के साथ ड्रॉ खेला और इंटरनैशनल मास्टर (IM) नॉर्म हासिल करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। **उधर, बुडापेस्ट में** भारत की 18 वर्षीय शिविका रोहिल्ला सैटरडे चेस टूर्नामेंट की नौ बाजियों में 4.5 अंक जुटाकर विमिंस इंटरनैशनल मास्टर बन गईं।

ज्योति, मधुरा, प्रगति की तिकड़ी को स्वर्ण

■ **एजेंसियां, पुएब्ला (मेक्सिको):** भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और प्रगति की कंपाउंड महिला तिकड़ी ने आर्चरी वर्ल्ड कप के पहले चरण में अमेरिका को 233-232 से हराकर गोल्ड जीता। यह इस सीजन की शुरुआती प्रतियोगिता में भारत का पहला मेडल है। रिकर्व और मेंस के कंपाउंड वर्ग के कोई भी तीरंदाज अपने लक्ष्य को भेद नहीं पाए और खाली हाथ लौटे। भारत की कंपाउंड मिक्स्ड टीम प्रगति और ओजस प्रवीण देवताले को ब्रॉन्ज मेडल मैच में हार का सामना करना पड़ा।

आर्चरी वर्ल्ड कप

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप

अमन सहरावत, मुकुल दहिया के हाथ आया सिल्वर

■ **एजेंसियां, बिश्केक:** एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के अंतिम दिन 61 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में अमन सहरावत को नॉर्थ कोरिया के क्वांग म्योंग किम से 10-13 से हारकर सिल्वर से संतोष करना पड़ा। वहीं 86 किग्रा में मुकुल दहिया ईरान के कमरान घासेमपुर से 0-7 से हार गए। दिनेश ने 125 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। भारत ने अंतिम दिन दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज के साथ अभियान का समापन किया।

कुल मिलाकर भारत ने 2 गोल्ड, 6 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित 17 मेडल जीते। भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा।

सावन ने तोड़ा 48 साल पुराना रेकॉर्ड

■ **एजेंसियां, रोटरडैम:** सावन बरवाल ने संडे को रोटरडैम एनएन मैराथन में 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रेकॉर्ड को तोड़ दिया। सावन ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया। उन्होंने शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले नैशनल रेकॉर्ड को तोड़ दिया।

देश

TMC ने केंद्र की योजनाएं लागू नहीं होने दीं: मोदी

■ पीटीआई, सिलीगुड़ी

पीएम मोदी ने रविवार को रैली में बंगाल में बीजेपी को वोट देने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान टीएमसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर काटकर पूर्वोत्तर को देश से अलग करने की धमकी देने वालों का टीएमसी ने तुष्टीकरण की राजनीति के लिए समर्थन किया।

मोदी ने कहा, सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश के लिए रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि यह पूर्वोत्तर राज्यों का मुख्य संपर्क मार्ग है। केंद्र इसके बड़े पैमाने पर विकास पर काम कर रही है। पीएम ने लोगों से 'डबल इंजन' सरकार के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि इससे बंगाल में विकास दोगुनी गति से होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 साल के शासन में टीएमसी ने राज्य को नुकसान पहुंचाया और केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने दिया, जिससे 25% से भी कम काम पूरा हुआ। दावा किया कि राज्य सरकार ने मदरसों के विकास के लिए 6000 करोड़ रुपये दिए, पर पूरे उत्तर बंगाल के लिए पर्याप्त बजट नहीं रखा गया। टीएमसी को अधिकारी और महिला विरोधी बताया।

सत्ता से हटाने को 1,000 करोड़ का सौदा: ममता

■ **पीटीआई, कोलकाता:** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि बीजेपी टीएमसी उम्मीदवारों और मंत्रियों को धमका रही है, ताकि अगर उसे बहुमत न मिले तो उनका समर्थन हासिल किया जा सके।

ममता बनर्जी

ममता ने कहा कि बीजेपी चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए दबाव की राजनीति कर रही है। केंद्र सरकार परिसीमन के जरिए बंगाल को तीन हिस्सों में बांटने की योजना बना रही है और कुछ हिस्सों को बिहार या ओडिशा में मिलाया जा सकता है।

ममता ने दावा किया कि टीएमसी को हटाने के लिए 1000 करोड़ रुपये की डील की गई है। उन्होंने केंद्रीय बलों पर महिलाओं के साथ अभद्रता का आरोप भी लगाया।

ममता ने कहा कि SIR प्रक्रिया देश का सबसे बड़ा घोटाला है और बीजेपी चुनाव से पहले वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। लोगों को सतर्क रहना चाहिए।

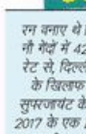

सी-डैक Centre for Development of Advanced Computing
Expression of Interest (EoI)
"C-DAC invites Expression of Interest (EOI) from Indian companies for the Transfer of Technology (ToT) of the non-contact **'Ultrasonic Tachometer (UT-200 Mk1)'** for rotational speed measurement targeting industrial, automotive, railway and strategic applications."
For details visit 'www.cdac.in'.
Contact: 0471 2727508, 9847069184, tpc@cdac.in

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ई-निविदा सूचना
कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से, क्षेत्रीय विद्युत अभियंता, केआरसीएल, रत्नागिरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-ओपन टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। **कार्य का नाम** – कोंकण रेलवे के रत्नागिरी क्षेत्र में रोहा (छोड़कर) से मडुरे (समेत) स्टेशनों के बीच के खंड में सुरंगों, उपकेंद्रों, प्लेटफार्मों, अप्रोच रोड तथा सर्कुलेटिंग एरिया में उपलब्ध प्रकाश व्यवस्था के लिए दो वर्षों की अवधि हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **टेंडर संख्या : केआर/आरएन/ईएलटी/3/2026 तारीख 13/04/2026, अनुमानित लागत** – ₹ 1,60,89,088/- (जीएसटी छोड़कर), **टेंडर फॉर्म शुल्क** – नहीं, **ईएमडी** – ₹ 3,21,800/- (या आयआरईपीएस पोर्टल पर दर्शाए अनुसार), **टेंडर ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 04/05/2026 दोपहर 15:00 बजे तक, अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ क्षेत्रीय विद्युत अभियंता, एमआईडीसी क्षेत्र, मिरजोले, रत्नागिरी के कार्यालय से या रेलवे वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर संपर्क करें।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
एलपीएससी, वलियमला, निर्माण व अनुरक्षण प्रभाग
फोन.: 0471-256 7445 / 7326 / 7577 ई-मेल: contracts_cmg@lpsc.gov.in
ई-निविदा आमंत्रित करने की संक्षिप्त सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा द्वारा मद-दर निविदाएं आमंत्रित हैं।
ई-एनआईटी सं. एलपीएससी-वी/सीएमडी/सीएम/02/7165/सी/टीई-002/2026-27 दिनांक 10.04.2026 एल पी एस सी, वलियमला में एस टी आर एल में बहु उद्देश्य संरचनात्मक परीक्षण सुविधा के लिए आर सी सी नींव का निर्माण कार्य (निविदा में दी गई अनुमानित लागत: ₹ 7.79 लाख)
अनुरोध करने की अवधि : 13.04.2026, 17:30 बजे से 20.04.2026, 23:30 बजे तक
इच्छुक निविदाकार पात्रता मानदंड एवं अन्य विवरण हेतु वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html, https://www.lpsc.gov.in/tender.html पर दिए गए विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) निविदा आमंत्रित करने हेतु सूचना (एन आई टी) का संदर्भ लें एवं वेबसाइट https://www.tenderwizard.com/isro पर निःशुल्क निविदा देखें।
एसडी/- प्रधान, सीएमडी/एलपीएससी (वी)

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदाएँ IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्र. सं.	निविदा सं.	खुला निविदा फाइल संदर्भ संख्या	कार्य का नाम	मात्रा/अनुसूची विवरण	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय
1	2026/171212173–ओटी 06–बीएफएम	एमएस/सी/ओटी/06/बीएफएम/शेल/2026–27	फिएट बोगी फ्रेम की मशीनिंग	240 अदद	29-04-2026 को 15.00 बजे

सार्वजनिक सूचना
(दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, 2016 की धारा 102 (1) एवं (2) के अंतर्गत)
मैसर्स वेंकुरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (L99999MH1986PLC103624) के व्यक्तिगत गारंटर प्रदीप मंगलदास धूत के ऋणदाताओं के ध्यानार्थ हेतु

क्र.सं.	विवरण	ब्यौरा
1.	देनदार/व्यक्तिगत गारंटर का नाम	वेणुगोपाल मंगलदास धूत
2.	देनदार/व्यक्तिगत गारंटर का पता	निवास: 90, मानव मंदिर रोड, नेपियन्स रोड के पास, मुंबई - 400006, महाराष्ट्र और धूत बंगला, स्टेशन रोड औरंगाबाद, महाराष्ट्र-431005 कॉर्पोरेट कार्यालय: 99 और 101 वीडियोकॉन हाउस, पहली मंजिल, मानव मंदिर रोड, नेपियन्स रोड, मेहता मेडल्स बस स्टॉप के सामने, मुंबई-400006 और 221, फोर्ट हाउस, दूसरी मंजिल, डी. बी. एन. रोड, फोर्ट, मुंबई - 400 001
3.	आवेदन स्वीकृति के आदेश का विवरण	सीपी (आईबी) सं. 1197/एमबी/2020 आदेश दिनांक: 08.04.2026 एनसीएलटी, मुंबई, कोर्ट सं. V द्वारा पारित
4.	समाधान पेशेवर का विवरण जिसके पास दावे पंजीकृत किए जाने हैं	श्री आशीष नारायण आईबीबीआई पंजीकरण: IBBI/IPA-002/IP-N00444/2017-2018/11274
5.	बोर्ड के पास पंजीकृत समाधान पेशेवर का पता और ई-मेल	4B/703, क्लिफ्टन पाम्स, लोखंडवाला, कांदिवली ईस्ट, मुंबई, -400101 ईमेल: CS.ASISH@GMAIL.COM
6.	समाधान पेशेवर के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता और ई-मेल	रिसर्जेंट रेसोल्यूशन प्रोफेशनल्स एलएलपी (आईपीई) 502, 5वीं मंजिल, सेंट्रल प्लाजा, 166 सीएसटी रोड कोलिवरी गांव, विद्या नगरी, कलिना, सांताक्रूज (पूर्व), मुंबई-400098 ईमेल: PG.VINDHOOT@RESURGENTRPL.COM
7.	दावे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	04.05.2026
8.	प्रासंगिक प्रपत्र जिसमें दावा दायर किया जाना है, यहां उपलब्ध है:	"फॉर्म बी" वेबलिंक: https://ibbi.gov.in/en/home/downloads

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, मुंबई पीठ-V ने CP(IB) No. 1197/MB//2020 में संहिता की धारा 100 के तहत **08.04.2026 को श्री वेणुगोपाल मंगलदास धूत (मैसर्स वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के व्यक्तिगत गारंटर)** के विरुद्ध दिवालियापन समाधान प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।
श्री वेणुगोपाल मंगलदास धूत (मैसर्स वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के व्यक्तिगत गारंटर) के लेनदारों से अनुरोध है कि वे **04.05.2026** को या उससे पहले अपने दावों को प्रमाण के साथ प्रविष्टि संख्या 6 के सामने उल्लिखित पते पर समाधान पेशेवर को प्रस्तुत करें।
ऋणदाता अपने दावे प्रमाण सहित इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अथवा डाक द्वारा प्रस्तुत करेंगे।
दावे के झूठे या भ्रामक सबूत प्रस्तुत करने पर संहिता और उसके अंतर्गत बनाए गए विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत दंड और कार्रवाई की जाएगी।
हस्ता./-
आशीष नारायण
समाधान पेशेवर
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00444/2017-2018/11274
फर्मनाम: रिसर्जेंट रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल्स एलएलपी (आईपीई),
मान्यता सं. IBBI/IPE/0084.
दिनांक: 13.04.2026
स्थान: मुंबई
संपर्क पता: 502, 5वीं मंजिल, सेंट्रल प्लाजा, 166 सीएसटी रोड कोलिवरी गांव, विद्या नगरी, कलिना, सांताक्रूज (पूर्व), मुंबई-400098

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना क्रमांक. आईसीएफ/पीसीएमएम/ईओटी/15/2026 दिनांक: 10.04.2026

निम्नलिखित ई-निविदाएँ आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इन निविदाओं के लिए मैन्युअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। सभी निविदाओं को बंद करने और खोलने का समय दोपहर 14.15 बजे है। निविदा सूचना का हिंदी संस्करण वेबसाइट **www.icf.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है।

क्रम संख्या	निविदा क्रमांक	निविदा शीर्षक	मात्रा	नियत तिथि
01	03261179	बॉडी–बोगी कनेक्शन के लिए वायर रोप असेंबली	11433 नग	27/04/2026
02	02260049	अंतिम छत तत्व पूर्ण (एल डब्लू ऐ सी सी एन)	45 सेट	27/04/2026
03	06261268	एमईएमयू/डीएमसी/पीएच/एमआरवीसी/सी/बीटी कोच के लिए ई.पी. ब्रेक इक्विपमेंट की सप्लाई और इंस्टॉलेशन	12 सेट	28/04/2026
04	03261212	लैटरल डैम्पर एयर स्प्रिंग	523 नग	29/04/2026
05	06252246	एसएस ट्यूब और कवर फेर एमईएमयू/टीसी और ईएमयू	596 सेट	04/05/2026
06	03252183B	वीबी/टीएस के लिए सीटीआरबी बेयरिंग	1367 नग	04/05/2026
07	02261327	बॉडी साइड एंट्रेंस डोर (एलएचबी) की जोड़ी की सप्लाई और इंस्टॉलेशन	2115 जोड़ा	04/05/2026
08	02261321	छत और साइड की दीवार का सी/एस (ईएमयू एम)	8 सेट	04/05/2026
09	07261623	लकड़ी आधारित संपीड़ित संपीड़ित लैमिनेटेड शीट	12428 नग	04/05/2026
10	07261570	पेंट्री में एचपीएल और एसएस पैनल का एस एंड आई	38 सेट	04/05/2026
11	07261607	लकड़ी आधारित संपीड़ित लैमिनेटेड शीट	5382 नग	04/05/2026
12	08261201	एमआरवीसी/सी/बीटी के लिए ई.पी. ब्रेक का एस एंड आई टेस्ट और कमीशनिंग	आईआर ईपीएस वेबसाइट देखें	06/05/2026
13	02261328	अंडर फ्रेम (एमईएमयू एनडीएमसी)	35 नग	06/05/2026
14	01255209B	यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन इलेक्ट्रोमैकेनिकल 20टी कैपेसिटी	1 नग	06/05/2026
15	07261636	एमईएमयू कोच के लिए सीटों के ओ/सी सेट का एस एंड आई	112 सेट	18/05/2026
16	07261633	एस एंड आई ड्राइवर कैब आंतरिक पैनलिंग	76 सेट	18/05/2026

शुद्धिपत्र संख्या 15

निम्नलिखित निविदाओं के लिए शुद्धिपत्र जारी कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए कृपया आई आर ई पी एस वेबसाइट देखें।

क्रम संख्या	निविदा क्रमांक	मौजूदा मूल्य	संशोधित मूल्य
01	01265139	डॉक्यूमेंट्स जोड़ने और हटाने की जानकारी के लिए कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट पर टेंडर डॉक्यूमेंट देखें।	
02	06252269	आइटम स्पेसिफिकेशन में बदलाव, टेक्निकल कम्प्लायंस और डॉक्यूमेंट्स में कुछ जोड़ना और हटाना। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट पर टेंडर डॉक्यूमेंट देखें।	

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in